केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 345 मंगलवार 9 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मिला स्मार्ट फोन, खिले चेहरे

बनकटी (बस्ती)। पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने चन्द्रगुप्त मौर्य प्रभावंश महिला पीजी कालेज बनकटी में छात्राओं को स्मार्टफोन और टैबलेट का वितरण किया। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना से कालेज की 320 छात्राओं को लाभ मिला। इसमे बीए, एमए, बीएड की छात्रायें शामिल थीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में कहा टैबलेट और स्मार्टफोन बांटने के पीछे सरकार का उद्देश्य युवाओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना है ताकि युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा सके और उनमें कौशल विकास को बढ़ावा देकर उन्हे रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सके।

पूर्व सांसद ने सभी लाभार्थी छात्राओं को शुभकामनायें दी। प्रबंधक डा. अनिल कुमार मौर्य ने कहा उ.प्र. सरकार छात्राओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिये अरबों रूपया खर्च कर रही है। युवाओं को इसका लाभ मिल रहा है। छात्र छात्रायें कालेज में अपने शिक्षकों के बीच आकर जो जिज्ञासा शांत करती थीं अब उन्हे यूगाल के जरिये मिल रही हैं। इससे वे नई जानकारियों से अपडेट हैं और परीक्षाओं में अच्छे अंक ला रही हैं। कार्यक्रम कां संचालन शिक्षिका शहनुमा अंजुम ने किया। अंत में प्रधानाचार्या डा. अनीता मौर्य ने सभी के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर जगदीश शुक्ल, अरविन्द पाल, रघुनाथ सिंह, सोनू सिंह, दुष्यन्त सिंह, नोडल अधिकारी विजय यादव, डायरेक्टर श्रीमती सरोज मौर्य, श्रीमती नीलम मौर्य, संस्थापक राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित वंशराज मौर्य, काशी पाण्डेय, कृष्णमोहन, सुनील कुमार गौतम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

डॉ. सर्वेष्ट मिश्र को मुंबई में हेमा फाउंडेशन ने किया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पी एम श्री स्कूल मूडघाट के राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र को देश भर में मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने वाले संगठन हेमा फाउंडेशन द्वारा मुंबई में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। एनसीईआरटी के निदेशक प्रोफेसर दिनेश सकलानी सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता मनोज जोशी, दिलीप जोशी, राष्ट्रीय कवि डॉ हरिओम पवार अन्य विशिष्ट चरणों की उपस्थिति में आयोजित भव्य कार्यक्रम में हेमा फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी महेंद्र काबरा, डॉ अलोक मिश्र ने डॉ सर्वेष्ट मिश्र को शिक्षा में उनके योगदान के लिए स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया।

हेमा फाउंडेशन द्वारा मुंबई के योगी सभागार दादर एवं होटल एमरल्ड क्लब में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम हेमोत्सव में डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने कहा कि 21 वी सदी के आकांक्षाओं के अनुरूप देश मे सुयोग्य नागरिक तैयार हो सकें इसके लिए देश की शिक्षा व्यवस्था में मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। वर्तमान दौर में बच्चों में जीवन मूल्यों और संस्कारों की कमी के कारण आए दिन समाज में तमाम नकारात्मक घटनाएं हो रही हैं। इसके पीछे वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में संस्कार और मूल्य आधारित शिक्षा में कमी होना है। विद्यालय में बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए तो विभिन्न प्रयास किए जाते हैं लेकिन जीवन मूल्य आधारित शिक्षा और उनके चारित्रिक विकास हेतु प्रयासों को और बढ़ावा देने की जरूरत है।

मणिपुर के पीड़ितों से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। मणिपुर दौरे पर पहुंचे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया. उन्होंने कहा कि जो मणिपुर में हो रहा है, वैसा उन्होंने देश में कहीं नहीं देखा. राहुल गांधी ने ये भी कहा कि पीएम मोदी को मणिपुर आना चाहिए था. उनसे आग्रह है कि वो आएं और लोगों को भरोसा दें।

कांग्रेस नेता ने कहा, 'यहां बड़ी त्रासदी हुई है. इस बार मुझे हालात के बेहतर होने की उम्मीद थी लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है. दुख की बात है कि हालात बेहतर नहीं हुए हैं. नफरत और हिंसा से आगे कोई रास्ता नहीं मिलेगा. मोहब्बत और भाईचारे से रास्ता निकल सकता है. मैं राजनीति नहीं करना चाहता लेकिन यहां के हालत से दुखी हूं, ।

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने पीड़ितों से बात की. शांति वक्त की मांग है. जो यहां हो रहा है वैसा मैंने देश में कहीं नहीं देखा. मैं मणिपुर के लोगों से कहना चाहता हूं कि मैं आपके भाई की तरह आया हूं, यहां शांति के लिए जो जरूरी होगा वो करने को तैयार हैं मैं इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता. हिंसा किसी भी चीज का समाधान नहीं है।

राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर के जिरीबाम और चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और वहां रह रहे लोगों से बातचीत की. राज्य में पिछले साल मई में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी. इसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ पहुंचे गांधी ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बात की और उनकी समस्याएं सुनीं. कांग्रेस ने राज्य की दो लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की है. इसके बाद राहुल गांधी पहली बार मणिपुर पहुंचे हैं।

उल्लास से मनाया गया श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल का 8 वां स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल ने अपने स्थापना का गत 7 जुलाई को 8 वर्ष पूरा कर लिया। हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने हास्पिटल से जुड़े सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुये कहा कि कोरोना महामारी के कठिन समय में श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल ने सेवा और अनेक लोगों की जान बचाने का अनुकरणीय प्रयास किया। कहा कि हास्पिटल को अत्याधुनिक बनाने की पहल लगातार जारी रहेगा।

इस अवसर पर श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल के डायरेक्टर पंकज चौधरी, जीएम वी.के. अय्यर, वरिष्ठ

–सेवा और विश्वास से बढा साहस– बसन्त चौधरी

चिकित्सक डा. पी.पी. मिश्रा, अमित नायर, डा. असरार, स्त्री रोग विशेषज्ञ सोमा–सा गुप्ता, डा. अजीज आलम के साथ ही अनेक स्वास्थ्यकर्मी और हास्पिटल से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वालों को सम्मान पत्र और उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य रूप से रामधीरज चौधरी, कमलेन्द्र पटेल, विनोद पाण्डेय, विश्वनाथ चौधरी, मनोज चौधरी, दुर्गेश चौधरी, चन्द्र प्रकाश चौधरी, विश्वनाथ जायसवाल, ध्रुव चौधरी, विवेक चौधरी, राकेश, सुधीर चौधरी आदि उपस्थित रहे।

ऑन लाइन हाजिरी के निर्णय से शिक्षकों में आक्रोशः मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में ऑन लाइन हाजिरी का निर्णय लिये जाने से शिक्षकों में आक्रोश है। सोमवार को विभिन्न संगठनों से जुड़े शिक्षकों ने ऑन लाइन हाजिरी का विरोध किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिलाध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार निषाद के नेतृत्व में शिक्षकों और पदाधिकारियो के प्रतिनिधिमण्डल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि शिक्षकों को अन्य विभागों की तरह हाफ डे लीव अवकाश, 30 ई.एल. या महाविद्यालय के शिक्षकों की भांति पी. एल., प्रतिकर अवकाश, बीएसए को प्रतिकूल मौसम में ऑन लाइन उपस्थिति में बीएएसए को शिथिलता का अधिकार दिये जाने, सर्वर कैश होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था का स्पष्ट निर्देश दिये जाने, अन्य विभागों की तरह उपस्थिति लिये जाने आदि की मांग शामिल है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जिलाध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार निषाद , अटल बिहारी गौड़, कुंवर राकेश प्रताप सिंह, धर्मेन्द्र उपाध्याय, अमरेन्द्र चौधरी, विनय प्रकाश श्रीवास्तव आदि ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि ऑन लाइन हाजिरी का निर्णय वापस लेकर सरकार शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधा उपलब्ध कराये।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से डॉ. अंगद पाण्डेय, डॉ. दुर्गा प्रसाद सिंह, जर्नादन शुक्ल, राजकुमार प्रजापति, मनीष मिश्र, पंकज गिरी, सन्तोष सिंह, प्रमोद ओझा, राम गोपाल यादव, रामकेवल वर्मा, अजीत सिंह, हरिप्रकाश मिश्र, राहुल द्विवेदी, अमित पाल, डॉ. अनिल यादव, नन्दलाल, सुरेन्द्र पटेल, लल्लन यादव, वीरेन्द्र चौधरी, विजय गिरी के साथ ही अनेक शिक्षक शामिल रहे।

कोविड–19 कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को कोविड–19 कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष विकास वर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि कोविड–19 जनपद बस्ती एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का एनएचएम में समायोजन कराया जाय।

मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि कोविड–19 के समय स्वास्थ्य विभाग में लैब टेक्नीशियन, डाटा इन्ट्री ऑपरेटर की भर्ती जनपद बस्ती के जिला अस्पताल और समस्त सीएचसी पर की गई थी। इन कर्मचारियों ने अपनी जान दाव पर लगाकर लोगों की जान बचाने मे अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया और मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री ने भी कोरोना योद्धा कहकर पुष्पवर्षा से सम्मानित किया। जबकि स्वास्थ्य विभाग में उनकी कितनी आवश्यकता है यह पिछले 4 वर्षों से साबित हो चुका है। स्वास्थ्य विभाग में जिस तरह से संविदा आउटसोर्स के जरिए कर्मचारियों को भर्ती कर पूरे ढांचे को कम्पनियों के अधीन किया जा रहा है वह न सिर्फ दक्ष कर्मचारियों के जीवन के साथ खिलवाड़ है अपितु जन स्वास्थ्य के सरकारी ढांचे की गुणवत्ता

–आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को एनएचएम में समायोजन कराने की मांग

को प्रभावित करता है।

मांग किया गया है कि कोविड 19 के दौरान भर्ती किये गये कर्मचारियों की सेवायें निरन्तर सुचारू रूप से चालू रखी जाये जिससे उनके परिवार का पालन पोषण हो सके व उनको रोजगार प्राप्त हो सके। स्वास्थ्य विभाग में संविदा व आउटसोर्स के जरिये भर्ती कर्मचारियों को एन०एच०एम० में समायोजित किया जाये और कम्पनियों का मुनाफा कमवाने के बजाय कर्मचारियो को न्यूनतम वेतन सहित समस्त सुविधाएं देते हुए सामाजिक सुरक्षा की गारंटी की जाये।

महानिदेशक द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की अवधि प्रत्येक माह करके बढ़ा दी जाती है जिस कारण नौकरी पर खतरा बना रहता है तथा मानसिक व शारीरिक रूप से कर्मचारियों पर दबाव बना रहता है। इसकी अवधि एन०एच०एम० के नियमानुसार बढ़ाई जाये।

ज्ञापन सौंपने वालों में रमेश गुप्ता, अश्विनी कुमार, विकास त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

ऑन लाइन हाजिरी के फैसले पर भड़के शिक्षक किया बहिष्कारः बैठक में बनाया आन्दोलन की रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में ऑन लाइन हाजिरी को लेकर आक्रोश है। जनपद के शिक्षकों ने सरकार के इस फैसले का मुख्य विरोध किया और जनपद से किसी भी शिक्षक द्वारा ऑन लाइन हाजिरी दिये जाने की सूचना नहीं है। सोमवार को प्रेस क्लब सभागार में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षकों के ऑनलाइन उपस्थिति पर असहमति तथा शिक्षकों को 31 दिन ईएल, 15 दिन सी.एल., 15 दिन का हाफ सी. एल., चिकित्सा प्रतिपूर्ति व पुरानी पेंशन बहाली आदि का मुद्दा छाया रहा। जिला अध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने बताया कि प्रदेश के 6 लाख शिक्षकों ने सरकार के द्वारा जारी ऑनलाइन उपस्थिति का पूर्णतः बहिष्कार किया है तथा मांग किया कि अन्य विभागों की भांति शिक्षकों को भी सुविधायें दी जाय। जब तक मांगों को पूरा नहीं किया जायेगा, शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति का बहिष्कार करेंगे ।

जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बैठक में कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर 9 जुलाई को सभी ब्लाकों पर ब्लाक कार्यकारिणी व संघर्ष समिति की कार्यकारिणी की बैठक होगी, 11 व 12 जुलाई को सभी ब्लाकों पर धरना प्रदर्शन होगा और 15 जुलाई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पदाधिकारी व शिक्षक ज्ञापन देंगे। 15 जुलाई से 22 जुलाई तक पदाधिकारी विद्यालयों का भ्रमण कर शिक्षकों से उनके ऑनलाइन बहिष्कार पर सहमति व असहमति का प्रपत्र भरवाएंगे और 23 जुलाई को बीएसए कार्यालय पर एक दिवसीय विशाल धरना, प्रदर्शन किया जाएगा । बैठक में तहसील अध्यक्ष हरैया राजकुमार तिवारी, रुधौली तहसील अध्यक्ष शिवरतन ने कहा कि वर्तमान में बारिश से सुदूर इलाकों में तमाम सड़के जलमग्न हो गई हैं, कई पुल आदि टूट चुके हैं जिससे शिक्षकों को स्कूल पहुंचने में बाधा आ रही है । सरकार द्वारा ऑनलाइन व्यवस्था में मात्र 15 मिनट में ही अपनी उपस्थिति दर्ज करवानी है यदि 1 मिनट भी विलंब हुआ तो शिक्षकों के पूरे दिन का वेतन काट लिया जाएगा यह आदेश पूर्ण रूप से अव्यवहारिक है। जिससे शिक्षकों में काफी रोष व्याप्त है ।

बैठक में कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, जिला उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी ,शिव प्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव ने संबोधित किया। मुख्य रूप से प्रमोद सिंह, अटल बिहारी ,सुरेश गौड़ ,दिनेश त्रिपाठी, मनीष मिश्रा ,विवेक सिंह, सनत पटेल , रामसागर वर्मा, रवि सिंह ,विजय कुमार ,अखिलेश पाण्डेय, विवेकानन्द, मुरलीधर, रामप्यारी, हरिओम यादव ,सन्तोष पाण्डेय ,देवेन्द्र सिंह ,अमित पाण्डेय ,नंदलाल, सत्य प्रकाश ,हरेन्द्र यादव ,मोहम्मद असलम, दिनेश सिंह,रंजन सिंह, अशोक यादव, अनीस अहमद, असद जमाल, भारत भूषण, राम भवन, उमाकान्त, अनिल पाठक, रजनीश यादव के साथ ही अनेक पदाधिकारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

सेवा निवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। संचालन जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने बताया कि एसोसिएशन लगातार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों के लिये संघर्ष कर रहा है। बैठक में राशिकृत पेंशन की वसूली 10 वर्ष बाद न किये जाने, उम्र 65, 70 और 75 वर्ष पर 5, 10, 15 प्रतिशत पेंशन में बढोत्तरी, रेलवे किराये में वरिष्ठ नागरिकों के लिये छूट बहाल किये जाने, पुरानी पेंशन बहाली एवं कैशलेश चिकित्सा, कोराना काल का फ्रीज डीए जारी करने आदि का मुददा छाया रहा। निर्णय लिया गया कि मांगे न मानी गई तो संघर्ष तेज किया जायेगा।

जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि एसोसिएशन द्वारा पेंशनर्स दिवस में समस्याओं को प्रमुखता से

–वरिष्ठ नागरिकों के लिये रेल सुविधा में छूट बहाल करने की मांग

उठाया गया था। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। पेंशनरों की समस्याओं के निस्तारण के लिये एसोसिएशन लगातार संघर्षशील है। उन्होने 50 प्रतिशत से अधिक मंहगाई होने पर उसे पेंशन में मर्जर कर अनुषांगिक लाभ दिये जाने पर जोर दिया गया।

बैठक को ई. राधेश्याम त्रिपाठी, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, सुरेशधर दूबे, रामनाथ, प्रेमशंकर लाल, ई. रामचन्द्र शुक्ल, सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय, मुनीशचन्द्र श्रीवास्तव, श्यामधर सोनी, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, देवी प्रसाद शुक्ल, रामधीरज यादव आदि ने पेंशनरों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी एल.के. पाण्डेय ने बताया कि बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं पर बैठक में बिन्दुवार विचार विमर्श किया गया। इसका शीघ्र निराकरण कराया जायेगा।

बैठक में रामनाथ, राधेश्याम तिवारी, श्रीगोपाल त्रिपाठी, देवनरायन प्रजापति, प्रेमप्रकाश मिश्र, जयनाथ सिंह, अंगिरा प्रसाद, ओम प्रकाश मिश्र, दीनानाथ प्रसाद, प्रेम प्रकाश मिश्र, छोटेलाल यादव, गिरीश नरायन पाण्डेय, सुरेशधर दूबे, शीतल प्रसाद पाण्डेय, केशव प्रसाद दूबे, सिद्धनाथ पाण्डेय, सुरेशचन्द्र शर्मा, अरविन्द श्रीवास्तव, मनोज कुमार श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, त्रिभुवन प्रसाद, ओंकार सिंह, ई. दीनानाथ प्रसाद, डा. नरेन्द्र उपाध्याय, धर्म प्रकाश उपाध्याय, बलराम यादव, सत्यनरायन चौधरी, गंगाराम मिश्र, ओंकार गिरी, अवधेश कुमार श्रीवास्तव, शिव कुमार मिश्र, देवी प्रसाद शुक्ल, राम कुमार पाल, एस.के. नन्दन, इस्लाम अंसारी, ईश्वर प्रसाद मिश्र, राजेन्द्र प्रसाद आदि शामिल रहे।

पूरे प्रदेश में हुआ डिजिटल हाजिरी का विरोध, सिर्फ 9 शिक्षकों ने लगाई हाजिरी

लखनऊ (आभा)। शासन द्वारा सोमवार से पूरे प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में शिक्षकों के लिए डिजिटल हाजिरी का फरमान जारी हुआ लेकिन शिक्षकों ने एकजुट होकर इस आदेश को बेअसर कर दिया। विरोध का आलम यह रहा कि पूरे प्रदेश में कार्यरत छः लाख शैक्षिक स्टाफ में सिर्फ नौ लोगो ने डिजिटल हाजिरी लगाई।

सरकार के इस आदेश से आक्रोशित शिक्षकों ने आर–पार की लड़ाई का एलान कर दिया है। सोमवार को पूरे प्रदेश में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करने के साथ ही आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से ज्ञापन और धरना प्रदर्शन के माध्यम से आनलाइन हाजिरी का विरोध करने का ऐलान भी किया। महानिदेशक स्कूल शिक्षा

कंचन वर्मा की ओर से डिजिटल हाजिरी का आदेश गत दिनों सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भेजा गया था। जिसमें 15 जुलाई से डिजिटल हाजिरी लगाने का आदेश था लेकिन गत शुक्रवार को आदेश को संशोधित करते हुए 8 जुलाई से डिजिटल हाजिरी को अनिवार्य कर दिया गया।

जारी आदेश में कहा गया है कि परिषदीय स्कूलों में कार्यरत सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को अब सुबह 7.45 से 8 बजे तक अपनी हाजिरी डिजिटल मोड में लगानी होगी। बाद में सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी गई कि स्कूल के शिक्षक अब निर्धारित समय के 30 मिनट बाद तक उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। हालांकि, उन्हें देरी से पहुंचने का कारण बताना होगा।

विभाग द्वारा दिए गए आदेश के विरुद्ध विभिन्न शिक्षक संगठनों ने विरोध का ऐलान कर दिया है। शिक्षकों का कहना है कि वेतन विसंगति, हाफ सीएल, राज्य कर्मियों की भांति ईएल, चिकित्सा सुविधा, समय से पदोन्नति, पेंशन व्यवस्था आदि मुद्दे शिक्षकों के प्रमुख है जिस पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। हजारों की संख्या में ऐसे विद्यालय हैं जहां जाने के रास्ते नहीं है और बाढ़ ग्रस्त हैं इस स्थिति में यह व्यवस्था कदापि उचित नहीं है।उनका कहना है कि डिजिटल हाजिरी का आदेश वापस लिए जाने तक विरोध जारी रहेगा।

तमिलनाडु में बसपा प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के विरोध में निकाला कैण्डिल मार्च

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी तमिलनाडु प्रदेश ईकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की चेन्नई के पेरंबूर इलाके में हत्या के विरोध में सोमवार को दिग्विजय कुमार, भूपेंद्र कुमार के नेतृत्व में कैण्डिल मार्च निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया गया। बनकटी ब्लाक से बनकटी बाजार होते हुए कैण्डिल मार्च का बनकटी बौद्ध बिहार परिसर में समापन हुआ। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मण्डल प्रभारी के. पी. राठौर ने कहा कि दो पहिया वाहन सवार गिरोह ने चेन्नई कॉर्पोरेशन के पूर्व पार्षद के. आर्मस्ट्रांग पर पेरम्बूर में उनके घर के पास हमला किया। किसी भारी चीज से किए गए इस हमले में आर्मस्ट्रांग को काफी गहरी और अंदरूनी चोटें आईं, जिससे वह वहीं पर बेहोश होकर गिर पड़े। उनको बेहोश देखकर हमलावर वहां से भाग खडें हुए। आर्मस्ट्रांग पर हुए इस हमले के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें पास के ही थाउजेंड लैम्प अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया, लेकिन उन्हें वहां पर मृत घोषित कर दिया गया। कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होने मांग किया कि तमिलनाडु

–दोषियों की गिरफ्तारी के साथ परिजनों को मुआवजा दे सरकार– के.पी. राठौर

के बसपा प्रदेश अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की बर्बर हत्या मामले की सीबीआई जांच कर दोषियों को फांसी दिलाने के साथ ही आर्मस्ट्रांग के परिजनों को समुचित मुआवजा दिलाया जाय।

उन्होंने तमिलनाडु के स्टालिन सरकार की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि आज प्रदेश में कानून–व्यवस्था को इस स्तर तक पहुंचा दिया गया है कि अपराधियों को न तो पुलिस का डर है और न ही सरकार का, वह दिन–दहाड़े की हत्या कर देते हैं और पुलिस केवल तमाशा देखती रहती है। जब प्रदेश में किसी पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनता की सुरक्षा को समझा जा सकता है। बहुजन समाज पार्टी तमिलनाडु प्रदेश ईकाई के अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की हत्या के विरोध में निकाले गये कैण्डिल मार्च में मुख्य रूप से अनूप कुमार, दिनेश कुमार, विनय अंबेडकर, अरविंद कुमार, नागेंद्र प्रताप, उमाशंकर , श्याम भवन, अंकित, महेश गौड, अंकुर प्रसाद, हिमांशु गौतम, अभय कुमार, रवि, देवेंद्र कुमार, इंजीनियर राजेश सरकार सिंह, रंजीत , अखिलेश, अरविंद, अजय राणा, लालचंद, रामलला गौड़, महेश गौड़, ई. राजेश प्रताप सिंह के साथ ही अनेक लोग शामिल हुये।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 जुलाई 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

मानसून की बारिश और मौतें

भीषण गर्मी के बाद बरसात का इंतजार और उसके बाद बाढ और मौतों के समाचार सुर्खियां बन रहे हैं। मौसम अब कदम–कदम पर इम्तिहान ले रहे हैं। देश भर में हो रही बारिश से हाल बेहाल है। भारी बारिश की वजह से कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं तो वहीं कई जगहों पर लोग जल जमाव की समस्या से परेशान हैं। इसके अलावा आकाशीय बिजली की चपेट में आने की वजह से कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। मौसम विभाग की मानें तो अभी भी बारिश से राहत के आसार नहीं दिख रहे हैं। दिल्ली, यूपी, बिहार और उत्तराखंड में अभी भी बारिश की संभावना जताई गई है। बारिश की वजह से जहां यूपी में 24 घंटे के अंदर 13 लोगों की मौत हो चुकी है तो वहीं बिहार में भी मौतों का आंकड़ा 9 तक पहुंच गया है। इसके अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में भी बारिश से हालात खराब हैं। बारिश की वजह से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की कई नदियां उफान पर हैं। यहां के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और नदियों, नालों के पास ना जाने की सलाह दी गई है। रायबरेली जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य की बारिश से जुड़ी घटना में जान चली गई।

मानसून की दस्तक के साथ ही हिमाचल व उत्तराखंड में दरकते पहाड़ व रौद्र रूप दिखाती नदियां चिंता बढ़ाने वाली हैं। कुदरत के कहर के सामने इंसान बौना ही नजर आता है। तमाम मुख्य नदियां उफान पर हैं। जगह–जगह भूस्खलन से सड़कें ठप पड़ी हैं। हिमाचल में मूसलाधार बारिश के बीच मलबा व पत्थर गिरने से सैकड़ों सड़कें बंद हो गई हैं। सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पहले हम गर्मी से त्रस्त होकर बारिश की आस लगाए होते हैं, लेकिन जब बारिश आती है तो स्थितियां डराने वाली हो जाती हैं। निस्संदेह ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। बारिश कम समय में ज्यादा मात्रा में बरसती है। जिससे न केवल पहाड़ों में कटाव बढ़ जाता है बल्कि पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा गिरकर रास्तों व पानी के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। यह संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हमने पहाड़ों को विलसिता का केंद्र बना दिया है। तीर्थाटन अब पर्यटन जैसा हो गया है। पर्यटकों के वाहनों से छोटी सड़कें और पुल दबाव में हैं। नीति–नियंताओं ने पहाड़ों में सड़कों को फोर लेन–सिक्स लेन बनाने का जो उपक्रम किया है, उससे पहाड़ों का नैसर्गिक वातावरण खतरे में है। पहाड़ों के किनारे काटने से भूस्खलन की गति तेज हुई है। गाहे–बगाहे पहाड़ों का मलबा सड़कों पर गिरकर यातायात को अवरुद्ध कर देता है। यात्रियों के जीवन पर हर समय संकट बना रहता है।

हिमाचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखंड भी बुरी तरह त्रस्त है। भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी व पिंडर आदि नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर मलबा गिरने की घटनाएं बढ़ने से यात्रा कुछ समय के लिये स्थगित की गई है। बार–बार भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया जा रहा है। जगह–जगह सड़कों के कटने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें बह गई हैं। बादल फटने की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जगह–जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। सामान्य जन–जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई मोटरमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हुए हैं। कई छोटे पुल बह गए हैं। कई निचले स्थानों से लोगों को हटाया गया है। कुल मिलाकर लाखों लोगों को अतिवृष्टि ने बंधक बना दिया है। निश्चित रूप से तेज बारिश और उसके प्रभाव इंसानी नियंत्रण से बाहर होते हैं। लेकिन इसके बावजूद पहाड़ी इलाकों में विकास के मॉडल पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। पहाड़ अध्यात्म के केंद्र भी रहे हैं, उन्हें पर्यटकों की विलसिता का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए। हमें अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों और उसके परिस्थितिकीय तंत्र के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। ज्यादा मानवीय हस्तक्षेप से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और नदियों का बढ़ा जल संकट का कारण भी बन रहा है। ऐसे में प्राकृतिक संतुलन की जरूरत है।

जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती

–ज्योति मल्होत्रा–

'पप्पू', वह विशेषण जो सत्ताधारी भाजपा पिछले कई बरसों से राहुल गांधी का मखौल उड़ाने के लिए बरतती आई है, क्या उसने जन–अपेक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जैसा कि अब हम जान चुके हैं, अच्छे नंबरों से। अलबत्ता, ये अंक पिछले जमाने के पैमाने– 'फर्स्ट–क्लास–फर्स्ट' या विशेषज्ञतापूर्ण (डिस्टिंक्शन) या फिर 'पलाइंग कलर' (बहुत बढ़िया) जितने नहीं है, वरना हालिया चुनाव के बाद केंद्र में सरकार कांग्रेस की या कहिए 'इंडिया' गठबंधन की होती। हां, अंक इतने जरूर हैं कि 18वीं लोकसभा में अंतर ला सकेंदृ बाकी देश में भी। मौजूदा लोकसभा के आरंभिक किंतु लघु सत्र में दिया राहुल गांधी का पहला भाषण, जिसमें उन्होंने अनेकानेक भगवानों एवं संतों का संदर्भ देकर उदाहरण गिनाएदृ शिव से लेकर गुरु नानक एवं जीसस क्राईस्ट तकदृ जिसके जरिए उन्होंने हिंदू धर्म की 'समावेशी आत्मा' और हालिया वर्षों में भाजपा द्वारा बरते जा रहे अधिक कट्टरता वाले हिंदुत्व के बीच अंतर को उजागर करना चाहा और संसद में इसकी जरूरत वाकई लंबे समय से थी। इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस की तेज–तर्रार नेत्री महुआ मोइत्रा का अपने संबोधन में पैब्लो नेरूदा और पुनीत शर्मा के उदाहरणों का इस्तेमाल (तुम कौन हो वे, मुझे पूछते हो, इस देश से मेरा रिश्ता कितना गहरा है) 'डर से निजात' को जतलाने के मकसद से था, जिसके लिए उन्होंने जोर देकर कहा, यह अब देश में पैदा हुए नए जज्बे का उद्घोष है।

बड़ी बात यह कि न तो चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी ने और न ही नीतीश कुमार के जदयू ने –जिनकी बैसाखी पर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार टिकी हुई है– ज्यादा हो–हल्ला किया, मानो उन्हें जरा परवाह नहीं। लगता है नायडू और नीतीश, दोनों को, भली–भांति पता है दृनीतीश के गिरते स्वास्थ्य की अफवाहों के बावजूद– चोट मारने का यही सही वक्त है, जब लोहा गर्म है। अर्थात्दृ यही समय है जब केंद्र सरकार से अपने–अपने सूबे की हालत सुधारने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता ले सकें, भले ही इसके लिए 'विशेष राज्य' का दर्जा मिले न मिले। नायडू, जिनके 16 सांसद एनडीए के लिए बहुमूल्य हैं, विशेष तौर पर उन्हें अपनी नव–अर्जित शक्ति का भान है। चूंकि वे पहले भी कई राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ कर चुके हैं लिहाजा दलबदलू के ठप्पे की परवाह नहीं है, बतौर मोदी का सहयोगी, उनका मंतव्य अपने लिए अधिक से अधिक फायदा पाना है। इस सिलसिले में उन्होंने गत वीरवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री के अलावा छह केंद्रीय मंत्रीदृ अमित शाह, नीतिन गडकरी, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, और हरदीप पुरीदृ से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनके सूबे के मुद्दों पर 'समयबद्ध ध्यान' देने के लिए राज्य सरकार के अफसरों के साथ एक 'प्रभावशाली समन्वय' तंत्र बनाना चाहिएदृ इन विषयों में, प्रस्तावित नई राजधानी अमरावती के लिए रिंग रोड की मांग से लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजटीय भाषण में आंध्र प्रदेश में नई तेल रिफाइनरी लगाए जाने की घोषणा करवाना शामिल है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नायडू कितना धन मांग रहे हैं। किसी का कहना है कि 1 लाख करोड़ रुपये तो कोई इससे आधा। लेकिन जो बात शीशे की तरह साफ है, वह यह है कि जो भी चाहेंगे, वह मिलेगा। जिन लोगों को हकीकत का पूरी तरह अहसास है, वे जानते हैं कि संसद में की गई गर्मागर्म बहस और आतिशी भाषण, मसलन, राहुल और महुआ के, साफ कहें, तो इनका कोई फायदा नहीं। क्योंकि मोदी 3.0 तब तक चलेगी जब तक कि नायडू पूरी तरह संतुष्ट हैं, इसलिए यह मोदी के हित में होगा कि उन्हें खुश बनाए रखें। फिर, ऐसा भी नहीं कि इन्हें देने को केंद्र सरकार के पास पैसा नहीं हैदृ पर्याप्त है। बल्कि उसके पास चतुरतम नौकरशाही भी है, जिसे भली–भांति इल्म है कि इसके लिए जुगाड़ कहां से और कैसे करना है। मोदी और नायडू, दोनों को भी यह पता है। उनसे यह भी छिपा नहीं है कि नीतीश कुमार अधिक खतरनाक हो सकते हैं, क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं और खुद को राजनीतिक रूप से फंसा देख यह शख्स अपनी जरूरत की खातिर किसी भी हद तक जा सकता है– पाला बदलने समेत। जिन सबको देश की हालत को लेकर चिंता है, तो यहां खुशकिस्मती से दुनिया में भारत का स्थान बेहतर मुल्कों में एक है, क्योंकि माली हालत अच्छी है दृगोकि, वह अलग बात है कि क्या इसका अधिकांश भाग केवल दो सूबों को संवारने में लगने वाला है। इसलिए, दिल्ली का कौन–सा प्रारूप अधिक सच है, एक वह जो कहता है कि भारत बदल चुका है क्योंकि भाजपा अपने दम पर बहुमत नहीं ले पाई और उसे दबकर रहना पड़ेगा और यह भी कि सत्ताधारी दल के 'बहुसंख्यकों का तुष्टीकरण' एजेंडे की तरफ लोगों का झुकाव अब और नहीं रहा? या फिर वह प्रारूप जिसमें माना जाता है कि संसद भले ही स्तरीय भाषणों का मंच हो, लेकिन असल शक्ति हमेशा से संसद से बाहर ही रही है?

लेकिन फिर, जैसा कि हमेशा से होता आया है, भारत एकदम दाएं या बाएं किनारे पर चलने की बजाय मध्यमार्ग को चुनता आया है, जिसमें 'कुछ अपनी तो कुछ उनकी चले' पर तरजीह रहती है। 'जनता जनार्दन' द्वारा भाजपा और प्रधानमंत्री के कद की छंटाई किए जाने के ठीक एक माह बाद, यह संदेश स्पष्ट एवं तीव्र बनकर उभरा हैदृ सरकार सशक्त हुए विपक्ष की आवाज को कुचलकर अब अपनी मनमानी पहले की भांति नहीं चला पाएगी। इसलिए, चाहे तो भाजपा दृया फिर लोकसभा अध्यक्ष के भीदृ के पेट में दर्द उठे, लेकिन उन्हें 'इंडिया' गठबंधन से हाल में चुनकर आए 232 सांसदों की सुननी पड़ेगी, क्योंकि गिनती में उनके और भाजपा के सांसदों में अंतर अधिक नहीं है। बानगी यह है, जगदम्बिका पालदृ जिनकी मशहूरी उत्तर प्रदेश का एक दिन का मुख्यमंत्री होने की हैदृ पिछले साल जब वे अध्यक्षता कर रहे थे तो महुआ मोइत्रा को सदन से निष्कासित कर दिया था, संयोगवश, इस बार फिर से उसी कुर्सी पर विराजमान थे और उसी महुआ को बोलने के लिए पूरे 28 मिनट देने पड़े।

बड़ी बात यह कि इसका विपरीत भी एक सत्य है। खडूर साहिब से निर्वाचित हुए अमृतपाल सिंह और बारामूला से सांसद चुनकर आए इंजीनियर राशिद का मामला लें, जिन्हें क्रमशः राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और यूएपीए के अंतर्गत नजरबंद किया हुआ है। अमृतपाल असम की डिब्रूगढ़ जेल में तो राशिद दिल्ली की तिहाड़ में बंद है। लेकिन दोनों को शुक्रवार को सरकारी खर्च पर संसद भवन लाया गयादृ अमृतपाल को पहले जेल से हेलीकॉप्टर में स्थानीय हवाई अड्डे तक, फिर विमान से दिल्ली और आगे कारों के काफिले मेंदृ ताकि बतौर सांसद शपथ ले सके, 'संविधान के प्रति निष्ठा की सौगंध' उठाकरकृ दोनों पर पृथकतावाद फैलाने का आरोप है लेकिन फिर भी उनके परिवार और कट्टर समर्थकों तक को अहसास हो चला है कि यदि वे चाहते हैं कि शेष देश उनकी कही पर कान धरेदृ कुछ सहानुभूतिपूर्वक भी– तो इसकी एकमात्र राह है कि वे अपने भाषणों में मध्यमार्गी तौर–तरीके बरतें।

यक्ष प्रश्न फिर वही, क्या 'पप्पू' पास हो गया? क्या 'पप्पू' ने जन–अपेक्षा का इम्तिहान पास कर लिया? इसके लिए अवश्य ही राहुल गांधी को दबाव बनाए रखना होगा, और यदि हाथरस प्रसंग एक पैमाना है, उत्तर तो कुछ सधा ही सही, अवश्य ही 'हां' होगा।– लेखिका द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक हैं।

बीच बहस में अयोध्या

–विनीत नारायण–

जब से लोकसभा चुनावों के परिणाम आए हैं तब से सोशल मीडिया पर व अन्य माध्यमों से ऐसी बातें सुनने को मिल रही हैं कि भगवान श्रीराम जी का दर्शन करने अयोध्या जाने वाले भक्त अयोध्यावासियों का बहिष्कार करें। वे वहां की दुकानों से कुछ भी सामान, भोग, माला, तस्वीर, ग्रंथ आदि न खरीदें। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां के नागरिकों ने भाजपा को वोट नहीं दिया। यहां यह जानना बहुत जरूरी है कि अयोध्या जिसे अवध पुरी कहते हैं वह भगवान श्रीराम का नित्य धाम है और उन्हें अत्यंत प्रिय है। रामचरित मानस के अनुसार भगवान श्री राम ने अयोध्या के विषय में कहा है कि –

'अति प्रिय मोहि इहां के बासी।
मम धामदा पुरी सुख रासी।
हरषे सब कपि सुनि प्रभु बानी।
धन्य अवध जो राम बखानी।।

इस चौपाई को हर राम भक्त ने अपने जीवन में कभी न कभी अवश्य पढ़ा होगा और पढ़ कर इसका अर्थ भी समझा होगा, जो इस प्रकार है कि, "यहां के (अयोध्या के) निवासी मुझे बहुत ही प्रिय हैं। यह पुरी सुख की राशि और मेरे परमधाम को देने वाली है।" प्रभु की वाणी सुनकर सब वानर हर्षित हुए (और कहने लगे कि) जिस अवध की स्वयं श्रीरामजी ने बड़ाई की, वह (अवश्य ही) धन्य है। इस चौपाई में भगवान श्रीराम अयोध्या पुरी का इतना बड़ा महात्म्य बता रहे हैं कि इसमें हमें भगवान श्रीराम के परमधाम तक पहुंचाने की सामर्थ्य है। अब प्रश्न उठता है कि जो भी अपने को राम भक्त कहता है या राम भक्त होने का दावा करता है, क्या वह भगवान श्रीराम की प्रिय वस्तु का तिरस्कार करेगा? जब भगवान स्वयं कह रहे हैं कि मुझे ये अयोध्या पुरी प्रिय है और यहां रहने वाले अयोध्यावासी अतिप्रिय हैं, तो भगवान श्रीराम की अतिप्रिय वस्तु का अपमान करना, उसकी उपेक्षा करना, उसका बहिष्कार करना, उसके प्रति द्वेष भावना रखना, क्या ये भक्ति का लक्षण है या ये भक्ति के मार्ग में किया जा रहा धाम अपराध है? यह एक बहुत गंभीर प्रश्न है।

हर संप्रदाय के आचार्यों ने भक्तों को बार–बार चेतावनी दी है कि वे धाम अपराध से बचें। उदाहरण के तौर पर ब्रह्म गौड़ीय माधव संप्रदाय के प्रमुख आचार्य इस विषय में क्या कहते हैं, यह जानकर हमारा भ्रम दूर हो जाएगा। वे कहते हैं कि, 'जो भी भक्त तीर्थ यात्रा पर जाते हैं वे उन अपराधों से सावधानी से बचें जो पवित्र स्थान की आपकी यात्रा को बिगाड़ सकते हैं। महान आध्यात्मिक गुरु श्रील भक्ति विनोद ठाकुर धाम के साथ–साथ इसके निवासियों के प्रति भी अत्यंत सावधानीपूर्वक व्यवहार करने का निर्देश दे रहे हैं। वे कहते हैं कि तीर्थ यात्रा के समय जब आप अयोध्या पुरी या मथुरा पुरी जैसे किसी धाम में जाते हैं तो अपने आध्यात्मिक गुरु का अनादर न करें, क्योंकि यह धाम अपराध माना जाएगा। यह सोचना कि अयोध्या पुरी जैसा पवित्र धाम अस्थायी है, भी धाम के प्रति अपराध है। क्योंकि धाम भौतिक सिद्धांतों के परे होते हैं।

वे शाश्वत होते हैं। यानी सदैव थे और सदैव रहेंगे। ऐसे पवित्र धाम के निवासियों में से किसी के प्रति हिंसा करना या उन्हें साधारण व्यक्ति समझकर उनका अनादर करना या उस धाम में कूड़ा–कचरा फैलाना भी धामवासियों के प्रति हिंसा ही है। वे आगे कहते हैं कि, पवित्र धाम में अन्य देवताओं की पूजा करना और धर्म का व्यवसायीकरण करके धाम का उपयोग व्यक्तिगत आर्थिक विकास के लिए करना भी धाम अपराध है। बाहरी लोगों का धाम में जाकर कालोनियां काटना, होटल बनाना या व्यापार करना भी धाम अपराध की श्रेणी में ही आता है। उन शास्त्रों की निन्दा करना जो पवित्र धाम की इस गौरवशाली स्थिति का ज्ञान देते हैं, भी धाम अपराध है। धाम की शक्ति के प्रति अविश्वासी होना और यह सोचना कि धाम की महिमा काल्पनिक है, भी धाम अपराध है। इसी प्रकार अन्य संप्रदायों के आचार्यों ने और अनेक शास्त्रों ने धाम और धाम के वासियों के प्रति अपराध न करने का निर्देश दिया है।

तीर्थ यात्रा के समय जब आप अयोध्या पुरी या मथुरा पुरी जैसे किसी धाम में जाते हैं तो अपने आध्यात्मिक गुरु का अनादर न करें, क्योंकि यह धाम अपराध माना जाएगा। यह सोचना कि अयोध्या पुरी जैसा पवित्र धाम अस्थायी है, भी धाम के प्रति अपराध है। क्योंकि धाम भौतिक सिद्धांतों के परे होते हैं। वे शाश्वत होते हैं। यानी सदैव थे और सदैव रहेंगे। ऐसे पवित्र धाम के निवासियों में से किसी के प्रति हिंसा करना या उन्हें साधारण व्यक्ति समझकर उनका अनादर करना या उस धाम में कूड़ा–कचरा फैलाना भी धामवासियों के प्रति हिंसा ही है।

अब जरा सोचिए कि जिन लोगों ने भी अयोध्यावासियों का बहिष्कार करने का आह्वान किया है, वे किस श्रेणी के लोग हैं? या तो वे मूर्ख और अज्ञानी हैं, जिन्होंने शास्त्रों का अध्ययन नहीं किया? या वे भक्त हैं ही नहीं और राम भक्त होने का झूठा दावा कर रहे हैं और अगर यह सब उन्होंने जानते–बूझते हुए किया है तो वे न सिर्फ खुद घोर पाप कर रहे हैं, बल्कि अन्य भक्तों को भी पाप कर्म करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। चुनावी राजनीति से भगवद भक्ति को जोडना आध्यात्मिक सिद्धांतों के सर्वथा विपरीत है। आज किसी दल का सांसद बना है, पहले किसी और दल का था और भविष्य में न जाने किस दल का बनेगा। सांसद और विधायक तो आते–जाते रहेंगे, पर अयोध्या और अयोध्यावासियों का महत्व हजारों वर्षों से रहा है और रहेगा।

उल्लेखनीय है कि मोदी जी कोई अवसर नहीं छोड़ते जब वे तीर्थ स्थलों में जाकर श्रद्धा और आस्था के साथ पूजन न करते हों। फिर चाहे वो केदारनाथ हो, काशी विश्वनाथ हो, पशुपतिनाथ हो, मथुरा–वृंदावन हो, तिरुपति बालाजी हो, जगन्नाथ पुरी हो, उडुपी हो, रामेश्वरम हो, द्वारिका पुरी हो, कामाख्या देवी हो या अयोध्या हो। मोदी जी सनातन धर्म और अन्य तीर्थों के प्रति अपनी आस्था का सार्वजनिक प्रदर्शन और व्यापक प्रचार इस उद्देश्य से करते हैं कि उनके प्रशंसक उनसे प्रेरणा लेकर धाम के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रदर्शन करें। ऐसे में नरेंद्र मोदी जी ये कभी स्वीकार नहीं करेंगे कि उनके आराध्य भगवान श्रीराम के अतिप्रिय अयोध्यावासियों और अयोध्या का तिरस्कार वे लोग करें जो स्वयं को मोदी जी का या भाजपा का समर्थक मानते हैं। चूंकि कुछ लोग इस तरह का आह्वान करके ये अपराध कर चुके हैं, इसलिए अपेक्षा की जानी चाहिए कि मोदी जी सार्वजनिक वक्तव्य जारी करके इसकी आलोचना करें और सभी देशवासियों से हर धर्म के तीर्थ स्थल के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव रखने की अपील करें ताकि भारतवासी धाम अपराध के पाप से बचे रहें।

वनों की बदहाली

–सुरेश भाई–

हिमालय क्षेत्र के वन और ग्लेशियर जल के प्राकृतिक भंडार कहे जाते हैं लेकिन आजकल दोनों पर भारी संकट मंडरा रहा है। इसके उदाहरण तो अनेक हैं, लेकिन फरवरी 2024 में उत्तराखंड के प्रसिद्ध तीर्थ 'जागेश्वर धाम' के देव वृक्ष के रूप में पहचाने जाने वाले लगभग 1000 देवदार के पेड़ों को सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बलिदान करने की योजना थी। लोगों को जैसे ही पता चला कि यहां हरे पेड़ों को काटने के लिए निशान लगाए जा रहे हैं तो अल्मोड़ा जिले के आसपास विरोध के स्वर तेज हो गए। नतीजे में संबंधित विभाग को अपना फैसला वापस लेना पड़ा और फिलहाल जंगल बच गए।

इससे पहले भी उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में चाय बागान, आशा रोडी, सहस्त्रधारा, थानों जैसे स्थलों की समृद्ध जैव विविधता का बड़े पैमाने पर कटान किया गया है। यहां साल, सागौन और अन्य बहुमूल्य प्रजाति की वनस्पतियां हैं जिनको विकास के नाम पर काटने की योजना जब सामने आई तो लोगों ने इसका पुरजोर विरोध किया, लेकिन आश्चर्य की बात तो यह है कि जहां विरोध के स्वर पूरे राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गए थे वहीं रातों–रात हजारों पेड़ों की हजामत कर दी गई। हिमालय क्षेत्र में हर रोज कहीं न कहीं लोग जंगल बचाने के लिए आवाज देते हैं। इसके बावजूद सरकार अपनी मनमर्जी से जहां चाहें वहां के जंगल काट देती है। इसमें जलस्रोत, जैव–विविधता आदि के संरक्षण का कहीं कोई ध्यान नहीं रखा जाता।

आजकल का एक ताजा उदाहरण देहरादून में ही स्थित 'खलंगा रिजर्व फॉरेस्ट' का है जहां 5 हैक्टेयर वनभूमि को चिन्हित करके साल के 2000 से अधिक पेड़ों को 'सौंग वाटर ट्रीटमैंट प्लांट' के नाम पर काटने की तैयारी चल रही है। इसका विरोध भी मई के तीसरे सप्ताह से प्रारंभ हुआ है। 'खलंगा वन क्षेत्र' में, जहां साल के पेड़ों को काटने की योजना है साल के घने जंगलों के बीच 'वार मैमोरियल' के नाम से एक ऐतिहासिक स्थल बना हुआ है। यह स्थान गोरखा सेनापति बलभद्र थापा और अंग्रेज सेना के बीच हुए युद्ध में ऐतिहासिक बहादुरी दिखाने का प्रतीक है। यहां बलभद्र थापा का एक स्मारक बना हुआ है इसलिए गोरखाली समुदाय में भी इसका व्यापक विरोध है। यहां एक ऐसा जलस्रोत भी है जहां का पानी पीने से अनेकों बीमारियां दूर हो जाती हैं। इस पर भी खतरा मंडरा रहा है।

ऐसे में खलंगा के जंगल और पानी को बचाने के लिए लोगों ने सरकारी विभाग द्वारा चिन्हित किए गए हजारों साल के पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधकर बचाने का संकल्प लिया है। जंगल बचाने वाले लोगों के साथ स्थानीय विधायक उमेश शर्मा भी खड़े हैं, उनका सहयोग मिल रहा है। हर रविवार को लोग यहां इकट्ठा हो रहे हैं, राज्य सरकार को ज्ञापन और मांग पत्र सौंप रहे हैं। इसके द्वारा दबाव बनाया जा रहा है कि इस परियोजना को ऐसे स्थान पर ले जाया जाए जहां जंगल और जलस्रोत न हों। लोगों की इस आवाज का प्रभाव तब दिखा भी जब संबंधित विभाग के मुख्य अभियंता ने कहा कि इस परियोजना का दूसरा विकल्प देखा जा रहा है। यद्यपि विरोध करने वाले लोगों के पास अभी तक ऐसा कुछ स्पष्ट रूप से लिखकर नहीं आया है। विविधता का अंधाधुंध कटान किया गया है। दिल्ली और आदिवासी इलाकों में भी, जहां भूजल सैंकड़ों फीट नीचे चला गया है, वन–विहीनता के कारण अनेक स्थान पर धरती जल–संरक्षण की क्षमता खो चुकी है।

ऐसी विषम परिस्थिति को जन्म देने वाली व्यवस्था से कैसे आशा की जा सकती है कि वह प्रकृति द्वारा भेंट किए गए जल, जमीन, जंगल को कम से कम स्वास्थ्य मानकों के आधार पर ही बनाए रखने में सहयोग करें। हाल के दिनों में ही हिमालय क्षेत्र में वनों में लगी भीषण आग से लेकर वनों की कटाई के ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां पर्यावरण संरक्षण के नाम पर घोर लापरवाही सामने आ रही है।

बाढ़ पीड़ितों को दी राहत सामग्री

संवाददाता–बलरामपुर। पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने सोमवार को सदर तहसील के बाढ़ प्रभावित आधा दर्जन गांवों का दौरा कर जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर राहत सामग्री वितरित की। साथ ही उन्होंने कोड़रीघाट बंधे का निरीक्षण किया। बंधे पर सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे थे। उन्होंने गंडक मंडल बस्ती के अधीक्षण अभियंता सुरेन्द्र वर्मा को निर्देशित किया कि प्राथमिकता के आधार पर बंधे को सुरक्षित रखा जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कोड़री घाट के बंधे के निरीक्षण के दौरान पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने बाढ़ खंड के अधिकारियों से कहा कि यह गाइड बांध बेहद महत्वपूर्ण है। इसके क्षतिग्रस्त होने से हरिहरगंज ललिया मार्ग बंद हो जाएगा, जिससे बहुत बड़ी आबादी प्रभावित होगी। लिहाजा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने गंडक मंडल बस्ती के अधीक्षण अभियंता से कहा कि अधिकारी स्वयं भी बंधे के कटान स्थल का निरीक्षण कर तत्काल कार्रवाई करें। पूर्व सांसद ने कलंदरपुर, पाठकपुरवा, कुर्मीपुरवा, सेमरहना, गुलरिहा के बाढ़ पीड़ितों व लौकहवा डिप से प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी। कोड़री गांव में लोगों ने नांव की कमी होने की बात कही। जिस पर पूर्व सांसद ने तत्काल एसडीएम सदर से बात कराकर नाव की व्यवस्था कराई। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित किया। कहा कि आपदा के इस क्षण में वह क्षेत्रवासियों के साथ हैं। उनके स्तर से हर संभव लोगों की मदद की जाएगी। कहा कि जरूरत पड़ने पर लोग उनसे सीधे सम्पर्क कर सकते हैं। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कुंवर बहादुर खंडेलवाल, राजेश सिंह, विजय पासवान, नरेन्द्र चौधरी सहित तमाम क्षेत्र के लोग मौजूद थे।

दहेज की खातिर विवाहिता की हत्या, मुकदमा

संवाददाता–गोण्डा। स्थानीय थाने में रविवार की देर भारतीय न्याय संहिता के तहत दहेज हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया। इसकी विवेचना सीओ करनैलगंज द्वारा की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक संजय गुप्ता ने बताया कि रविवार को ननकू पुत्र दयाराम निवासी ग्राम सुईया थाना हुजूरपुर जनपद बहराइच ने थाने आकार जानकारी दी कि उनकी बेटी की दहेज को लेकर हत्या कर दी गई है। शिकायत में बताया है कि उन्होंने अपनी लड़की सुशीला की शादी लगभग छह वर्ष पूर्व हिन्दू रीति रिवाज से अजय पुत्र बिहारी निवासी जयराम जोत देवा पसिया थाना कटरा बाजार साथ की था। ससुराल वाले अक्सर लड़की को कम दहेज का ताना देकर मारते पीटते थे और प्रताड़ित करते थे। छह जुलाई को लड़की के ससुराल वालो ने फोन से यह जानकारी दी कि उनके लड़की की तबीयत ज्यादा खराब है और अस्पताल में भर्ती है जहां से उसे लखनऊ ले जाया जा रहा है। लखनऊ अस्पताल में वह अपनी लड़की के पास पहुचा तो लडकी मृत पाई गई उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे।

मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। करीब चार माह पहले बसभरिया में हुई मारपीट के वांछित आरोपी को पुलिस ने सोमवार को उसके घर से गिरफ्तार न्यायालय भेजा। प्रभारी निरीक्षक थाना कौड़िया वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसभरिया में करीब चार माह पहले पुरानी रंजिश को लेकर कृष्ण भगवान पुत्र रामकिशोर ने गांव के ही एक व्यक्ति को कुदाल से मारकर घायल कर दिया था। थाना पर तैनात उप निरीक्षक रामदेव ने आरोपी कृष्ण भगवान को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया है।

पाल्हापुर आयुष अस्पताल में चिकित्सक सहित तीन नदारद

संवाददाता–गोण्डा। देवीपाटन की मुख्य चिकित्सक अधीक्षक डॉ अलका कपिल व जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ अमित सिंह ने सोमवार को आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सक और योग प्रशिक्षक और योग सहायिका अनुपस्थित मिली। उन्होंने करनैलगंज क्षेत्र के चचरी के पाल्हापुर,कटरा क्षेत्र के दुवहा बाजार, कौड़िया बाजार और बनगाई का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक चिकित्सालय पल्हापुर चचरी में वार्ड बॉय ने बताया कि चिकित्सक दो दिन से नहीं आए। योग प्रशिक्षक आदर्श दस दिनों से आए योग सहायिका प्राची कई महीनों से नहीं आई है।

खरीफ की फसल का बीमा 31 जुलाई तक कराएं

संवाददाता–गोण्डा। उप कृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर ने बताया कि किसान खरीफ की फसल का बीमा हर हाल में 31 जुलाई तक करा ले। खरीफ की फसल में धान, मक्का की फसल अधिसूचित है। प्रीमियम बीमित धनराशि का दो प्रतिशत बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने केसीसी बनवाई है उनका बीमा बैंक से कर दिया गया है। उन्हें बीमा करने की जरूरत नहीं है।

वेतनवृद्धि के फैसले पर बैंककर्मियों ने खुशी जताई

संवाददाता–गोण्डा। ऑल इंडिया ग्रामीण बैंक ऑफिसर फेडरेशन के नेशनल ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी आशुतोष कुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से लिए गए निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि बैंक कर्मियों के साथ वेतनवृद्धि को लेकर लंबी लड़ाई लड़ी है। इसमें देशभर के ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों ने संगठनों ने पूरा सहयोग किया। संगठन के अथक प्रयास के बाद सरकार ने 17 प्रतिशत वेतन वृद्धि का सर्कुलर जारी किया है। इस पर संगठन के पदाधिकारियों के साथ ग्रामीण बैंक कर्मियों ने खुशी जाहिर की है। आशुतोष कुमार ने कहा कि देश के कोने–कोने से बधाई संदेश मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस फैसले से सभी ग्रामीण बैंकों के अधिकारी, कर्मचारी, वर्कमैन को दिसंबर 2022 से वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा।

राहत शिविरों में पहुंच बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना

संवाददाता–श्रावस्ती। बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों को सुरक्षित निकाल कर राहत शिविर में संरक्षित किया गया है। डीएम व एसपी ने राहत शिविरों में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना। साथ ही उन्होंने पीड़ितों को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के साथ सोमवार सुबह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत व बचाव कार्य का जायजा लिया। इस दौरान डीएम व एसपी ने तहसील क्षेत्र जमुनहा के लक्ष्मननगर में स्थित किसान इंटर कालेज में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितो का कुशल क्षेम जाना। डीएम ने राहत शिविर में बसे ग्राम वासियों, बाढ़ पीड़ितों, उनके परिवारों, बच्चों से मिलकर संवाद किया और उनका दुख दर्द सुना। साथ ही हर सम्भव मदद प्रदान करने का भरोसा दिया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के लिए नाश्ते में बिस्किट आदि वितरित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत शिविरों में मेडिकल टीम मुस्तैद रहे तथा मोबाइल मेडिकल टीम की ओर से निरन्तर भ्रमण कर बाढ़ पीड़ितों की देखभाल की जाय।

जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने बाढ़ राहत केन्द्र किसान इंटर कॉलेज लक्ष्मन नगर पहुंच कर विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित होकर आये बाढ़ पीड़ितों को भोजन पैकेट का वितरण किया। इस मौके पर संजू तिवारी, ग्राम प्रधान अलख राम यादव व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

वन कर्मियों ने जंगली लकड़ी के साथ लकड़कट्टों को दबोचा

संवाददाता–बलरामपुर। सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के वरहवा बीट के गनेशपुर जंगल मे सोमवार सुबह दो लोग अवैध रूप से खैर व सागौन के हरे पेड़ काटकर बोटा बना रहे थे। सूचना पर वरहवा वन विभाग रेंजर राकेश पाठक, वन दरोगा सूरज पाण्डेय, धीरेंद्र कुमार, मुन्नालाल व अन्य कर्मी बताए गए जगह पर पहुंच गए। जहां पर मौके से 40 वर्षीय शमीउल्ला उर्फ सोनू पुत्र किताबू व रिजवान अहमद उर्फ कल्लन पुत्र लल्लन को घेरकर मौके पर पकड़ लिया। साथ ही काटे गए चार बोटा सागौन एवं खैर लकड़ी के साथ एक बाइक भी बरामद की है। सभी को रेंज परिसर लाकर विधिक कार्रवाई की गई।

सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग में काला शीशम, साखू, सागौन, धूप व खैर के पेड़ बहुतायत मात्रा में पाए जाते हैं। यहां का काला शीशम, शाखू व सागौन की लकड़ी को अच्छा माना जाता है। बेशकीमती होने के कारण इन लकड़ियों पर वन माफिया की नजर हमेशा बनी रहती है। सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के सभी रेंज में रात होते ही लकड़कट्टे सक्रिय हो जाते हैं। विभागीय अधिकारियों व कर्मियों की लापरवाही के कारण वन माफिया पेड़ काटकर जंगल को काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। पेड़ कटने के कारण जंगल का दायरा सिमटता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह पेड़ कटते रहे तो एक दिन जंगल का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। क्षेत्रवासी दीपक कुमार, अरविंद, सहजराम, खेलावन, धर्मेन्द्र कुमार, राज कुमार, सुहेल, प्रकाश, इरशादुल्लाह व कलीम ने जंगल में पेड़ों की कटान पर अंकुश लगाए जाने की मांग जिलाधिकारी से की है। इस संबंध मे एसडीओ एमबी सिंह ने बताया कि कठोर कार्रवाई न होने से कटान नहीं रुक रहा है। वन माफिया घोषित करने के लिए जिलाधिकारी को लिखित प्रार्थना–पत्र भेजा गया है। आदेश मिलते ही वन माफिया के तहत कार्रवाई शुरू की जाएगी।

75 गांवों में घुसा बाढ़ का पानी, लोग घरों की छत पर या ऊंचे स्थानों की ओर कर रहे पलायन

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के जमुनहा क्षेत्र में राप्ती नदी का जलस्तर धीरे–धीरे कम हो रहा है। सोमवार दोपहर जमुनहा के राप्ती बैराज पर नदी का जलस्तर 128. 10 मीटर मापा गया। जो खतरे के निशान 127.70 मीटर से 40 सेंटीमीटर अधिक है। जबकि गिलौला व इकौना क्षेत्र में नदी का जलस्तर बढ़ा है। बढ़ते जलस्तर के कारण जहां भिनगा इकौना मुख्य मार्ग सहित इकौना तहसील क्षेत्र के कई अन्य मार्गों पर पानी आने से आवागमन बाधित हो गया। वहीं, करीब 75 गांव या तो पानी से घिर गए हैं या फिर गांवों में बाढ़ का पानी आ गया है। इससे लोग घरों की छतों या फिर ऊंचे स्थान के लिए पलायन कर रहे हैं। बाढ़ व जल प्लावन के कारण जिले में 99 विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित हुआ है।

वहीं, जमुनहा क्षेत्र में मधवापुर घाट पुल के निकट भंगहा मल्हीपुर मार्ग कट जाने से आवागमन बंद हो गया है। वहीं, तिलकपुर अंधरपुरवा तटबंध दोंदरा मार्ग के निकट कट जाने के कारण दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बाढ़ व कटान से विस्थापित हो बाढ़ राहत केंद्र पहुंचे पीड़ितों को लंच पैकेट का वितरण किया जा रहा है। जमुनहा को मुख्यालय भिनगा से जोड़ने वाला डबल लेन मार्ग मधवापुर घाट के निकट रविवार देर शाम राप्ती नदी की बाढ़ की विभीषिका के कारण कट गया। कई मीटर मार्ग कट जाने के कारण जमुनहा का भिनगा से सीधा संपर्क टूट गया। यह मार्ग पहले से ही राप्ती नदी के निशाने पर था जिसे बचाने के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से जिओ ट्यूब का सहारा लिया जा रहा था लेकिन प्रशासन के यह सारे इंतजाम धरे रह गए। रविवार को जहां मार्ग पर कई फिट बाढ़ का पानी आ जाने से आवागमन रोक दिया गया था। वहीं राप्ती की उग्र लहरों ने डबल लेन सड़क को काटकर नया रास्ता बना लिया। यहां मार्ग कट जाने के कारण अब राप्ती की धारा मधवापुर घाट पुल को छोड़ कर यहां सीधी हो गई है। ऐसे मे नया पुल निर्माण होने तक यह मार्ग अब पूरी तरह से बंद हो गया है। ऐसे में लोगों को आवागमन के लिए फिलहाल बदला बरदेहरा अथवा बहराइच मार्ग का सहारा लेना पड़ेगा। इसका कारण जमुनहा कानी बोझी परसा भिनगा मार्ग बाढ़ व बरसात के कारण कई स्थानों पर पानी से सराबोर है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने किया आनलाइन उपस्थिति का विरोध

संवाददाता–श्रावस्ती। सरकार की ओर से परिषदीय स्कूलों में आनलाइन उपस्थित अनिवार्य कर दिया है। जिसका शिक्षक विरोध कर रहे हैं। सोमवार को शिक्षकों ने आनलाइन उपस्थिति के विरोध में हाथों में काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य किया। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर शिक्षकों ने सोमवार को काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया।

शिक्षक नेता सन्दीप कुमार मिश्र ने बताया कि आनलाइन उपस्थिति का फरमान जारी करने से पहले विभाग के आलाधिकारियों को शिक्षको की समस्याएं निस्तारित करनी चाहिए। किन्तु अपनी हठधर्मिता के चलते वह ऑनलाइन उपस्थिति शिक्षको पर जबरन थोप रहे है।

जिलाध्यक्ष जय प्रकाश मिश्र ने बताया कि 10 वर्षों से अंतरू जनपदीय व अंतर जनपदीय ट्रांसफर सामान्य रूप से नहीं हुए हैं। प्रमोशन पर भी विभाग का लचर रवैया है। ऐसे में ऑनलाइन उपस्थिति शिक्षको के लिये लागू किया जाना गलत है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष नीलमणि शुक्ला की अगुवाई में सोमवार को शिक्षक कलेक्ट्रेट में इकट्ठा हुए। इस दौरान शिक्षकों ने जिलाध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरुण कुमार को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों की लंबित समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की। जिलाध्यक्ष नीलमणि शुक्ला ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान किया जाए उसके बाद ही ऑनलाइन हाजिरी के लिए आदेशित किया जाए। उन्होंने कहा कि पहले एमडीएम पंजिका का 25 जून से व निरीक्षण पंजिका को छोड़ अन्य सभी पंजिकाओं का 15 जुलाई से डिजिटलरूप से अद्यतन किए जाने का आदेश दिया गया था। लेकिन अब आठ जुलाई से ही पंजिकाओं का डिजिटल अद्यतन करने के लिए दूसरा आदेश जारी कर दिया गया है। विभाग की ओर से दिए गए टैबलेट के संचालन के लिए सिमकार्ड भी दिया जाय। अवकाश दिनों में कार्य करने पर देय प्रतिकर अवकाश का विकल्प मानव सम्पदा पोर्टल पर प्रदान किया जाय। इसी तरह अन्य मांगों को पूरा करने की मांग की। इस मौके पर महामंत्री प्रकाश चन्द्र मिश्रा, प्रदीप पटेल, दीपकर केशरवानी, अमित चन्द्र मिश्रा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

कल्याण महोत्सव, सरयू पूजन के साथ संपन्न हुई श्रीरंगराघव भगवान की प्राणप्रतिष्ठा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। कल्याण विवाह महोत्सव और मां सरयू के पूजन के साथ संपन्न हुआ सूर्यवंश एवं भगवान श्री राम के कुल देवता श्री रंग राघव भगवान का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव। अयोध्या के ऋण मोचन घाट स्थित संत शिरोमणि संत गोपालाचार्य महाराज के पूर्ण स्मृति में नवनिर्मित श्री संत गोपाल मंडपम में संत गोपाल मंडपम के पिठाधिपति स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज किस संयोजन नौ दिनों से चल रहे सूर्यवंशी के कुल देवता श्री रंग राघव भगवान के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन श्रीकाञ्ची प्रभ. जगद्गुरु गादिस्वामि श्रीनिवासाचार्य महाराज काञ्ची पुरी की अध्यक्षता हुआ। रविवार की रात्रि में श्रीरंगराघव भगवान का कल्याण विवाह महोत्सव मनाया गया जिसमें दक्षिण भारत से आए विद्वानों ने वैदिक परंपरा के अनुसार भगवान का विवाह संपन्न कराया और सोमवार को सुबह मां सरयू की सहस्त्र अर्चना की गई चुनरी चढ़ाई गई और आरती उतारी गई। कार्यक्रम के संयोजक स्वामी कूरेशाचार्य महाराज ने श्रीरंगराघव भगवन के प्राण प्रतिष्ठा में सम्मिलित हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और बताया कि संत शिरोमणि संत गोपालाचार्य महाराज महान संत थे और उन्हीं के आशीर्वाद से आज संत गोपाल मंडपम में श्री रंगराघव भगवान आशीर्वाद हम सभी को प्राप्त हो रहा है नौ दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा में देश के कोने–कोने से विद्वान संत अयोध्या पधारी उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ और आज समापन मां सरयू के पूजन के साथ हुआ जिसमें सैकड़ो की संख्या में आश्रम से जुड़े भक्ति सम्मिलित हुए मां का पूजन किया गया आरती उतारी गई और चुनरी चढ़ाई गई उसके उपरांत आश्रम में पूर्णाहुति हवन हुआ वैदिक ब्राह्मण संत जनों को प्रसाद पवाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इंद्रपाल सिंह सहित सभी यजमानों और कार्यक्रम में लगे सभी लोगों का मैं आभार व्यक्त करता हूं और आश्रम में नित्य अनुष्ठान और सेवा चलती रहेगी।

मोहर्रम एवं कांवड़ यात्रा को लेकी नगर की साफ–सफाई पर हुई चचा

संवाददाता–बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू की अध्यक्षता में सभासद एवं सफाई नायकों बैठक की गई जिसमें नगर की सफाई एवं मोहर्रम व कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए सफाई कर्मी का वर्षा के दिनों में अवकाश स्थगित रहने का निर्देश नपाप अध्यक्ष ने दिया।

बैठक में नपाप अध्यक्ष ने मोहर्रम को लेकर झारखंडी मंदिर सरोवर, शिया कर्बला निकट संतोषी माता मंदिर के आस पास व नगर के सभी इमामबाड़ोंके आसपास सफाई के साथ नगर के सभी इमाम चबूतरो ताजिया स्थलों के आसपास चूने का छिड़काव कराने का निर्देश दिया है। पहली से नवमी तथा पांचवीं, सातवीं व नवमी के दिन जुलूस मार्गों की विशेष सफाई एवं चूने का छिड़काव करने के लिए सभी कर्मियों को नपाप अध्यक्ष ने निर्देशित किया है। इस के साथ इन सभी मार्गों पर प्रकाश की समुचित व्यस्था कराने की भी बात कही है। उन्होंने झारखंडी मंदिर, वीर विनय चौराह के पास स्थित विजय टॉकीज व एमपीपी इंटर कॉलेज के पास जनरेटर से प्रकाश की व्यवस्था कराने की बात कही है। इसी के साथ नगर के सभी मार्गों व ताजिया रखने के स्थान पर खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराने, बिजली न रहने पर जनरेटर से प्रकाश की व्यवस्था कराने आदि का निर्देश दिया है। मोहर्रम की नवमी की रात से दसवीं को पानी सप्लाई अनवरत जारी रहेगी। इसी के साथ कांवड़ यात्रा को लेकर नगर के सभी शिव मंदिरों पर विशेष सफाई व्यवस्था एवं चूने का छिड़काव, राप्ती नदी से संपूर्ण कांवड़ यात्रा मार्गो पर विषेश सफाई एवं चूने का छिड़काव, मुख्य तिराहे व चौराहे पर पानी के टैंकर आदि की व्यवस्था सुचारु रूप से किए जाने की बात धीरू ने कही है। साथ ही राजापुर भरिया एवं झारखंडी मंदिर पानी का टैंकर खड़ा करना व नगर के सभी मंदिरों पर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुदृढ़ कराने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस, गौरव मिश्र, सभासद सुभाष पाठक, राघवेंद्र कान्त सिंह मंटू, मोनू शारिब, नंदलाल तिवारी, शुभम चौधरी, संदीप मिश्रा, सानू, मनोज साहू, आनंद किशोर, सुशील साहू, सभासद प्रतिनिधि गब्बर, शिबू, आजम, मनीष तिवारी, विनोद गिरी, शमसाद, अक्षय शुक्ला, विधुत विभाग प्रभारी रामेश्वर यादव, सफाई प्रभारी अरविंद सिंह आदि मौजूद रहे।

वेतन वृद्धि के फैसले पर बैंककर्मियों ने खुशी जताई

संवाददाता–गोण्डा। ऑल इंडिया ग्रामीण बैंक ऑफिसर फेडरेशन के नेशनल ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी आशुतोष कुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से लिए गए निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि बैंक कर्मियों के साथ वेतनवृद्धि को लेकर लंबी लड़ाई लड़ी है। इसमें देशभर के ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों ने संगठनों ने पूरा सहयोग किया। संगठन के अथक प्रयास के बाद सरकार ने 17 प्रतिशत वेतन वृद्धि का सर्कुलर जारी किया है। इस पर संगठन के पदाधिकारियों के साथ ग्रामीण बैंक कर्मियों ने खुशी जाहिर की है। आशुतोष कुमार ने कहा कि देश के कोने–कोने से बधाई संदेश मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस फैसले से सभी ग्रामीण बैंकों के अधिकारी, कर्मचारी, वर्कमैन को दिसंबर 2022 से वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा।

खेत में ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के सधान पुरवा में पलेवा करते समय ट्रैक्टर पलटने से दबकर किसान की मौत हो गई है। इससे किसान के घर में कोहराम मच गया है। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत डेबरी कला के मजरा सधान पुरवा के रहने वाले 50 वर्षीय किसान कल्लू वर्मा धान की रोपाई कराने के लिए सोमवार को ट्रैक्टर से खेत का पलेवा करा रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर खेत में धंसकर फंस गया। इसे निकालने का प्रयास जब विफल हो गया तो फिर एक और ट्रैक्टर लाया गया। खींचने पर जब खेत में धंसा ट्रैक्टर नहीं निकला तो ट्रैक्टर के पहिए के नीचे बल्ली बांधकर निकालने का प्रयास किया वैसे ही खेत में ट्रैक्टर पलट गया जिससे नीचे दबकर किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पहुंचे आसपास के लोगों ने किसी तरह चोटिल किसान को निकालकर जिला अस्पताल ले गए जहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिस पर शव पोस्टमार्टम को भेज दिया गया। उधर मौत की खबर मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया है। शाम को शव पहुंचते ही बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। प्रधान प्रतिनिधि हरिश्चंद्र वर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर पलटने किसान कल्लू वर्मा की मौत हो गई है। मृत किसान के तीन बेटियां और एक बेटा है।

आनलाइन हाजिरी के फरमान को शिक्षकों ने किया दरकिनार

संवाददाता–बलरामपुर। परिषदीय विद्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी को लेकर सोमवार को शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने ऑफलाइन उपस्थित होकर विद्यालय में काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य के डिजिटाइजेशन उपस्थिति का पुरजोर विरोध किया। मामले को लेकर हिंदुस्तान ने कई स्कूलों की पड़ताल की तो शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक स्कूलों में शिक्षण कार्य तो किए लेकिन ऑनलाइन हाजिरी का विरोध करते हुए ऑफलाइन उपस्थिति दर्ज कराई है।

शिक्षा क्षेत्र श्रीदतगंज के कंपोजिट स्कूल कालू बनकट में ऑनलाइन हाजिरी को लेकर शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध– प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वालों में प्रधानाध्यापक दिलीप चौहान, अशोक कुमार गुप्ता, मृदुल पालीवाल, अख्तर सिद्दीकी, रामसागर व रामनाथ शामिल रहे। प्राथमिक विद्यालय अगया बुजुर्ग में भी प्रधानाध्यापक शिवपाल गुप्ता, सहायक अध्यापक नरेंद्र सिंह, अनुदेशक शेफाली चौहान एवं सविता सिंह ने आफलाइन शिक्षण कार्य करते हुए ऑनलाइन हाजिरी का विरोध किया। विद्यालय में हाथ पर काली पट्टी बांधकर सरकार से शिक्षकों की तार्किक मांगों एवं विद्यालय की भौतिक स्थिति को देखते हुए इसे अव्यवहारिक करार दिया है। प्राथमिक विद्यालय कन्या सहदेईया में शिक्षक सुबह से ही ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में रहे। उन्होंने शिक्षण कार्य ऑफलाइन करते हुए ऑफलाइन हाजिरी दर्ज कराई है। उन्होंने ऑनलाइन का पुरजोर विरोध करते हुए विद्यालय की भौतिक स्थिति को नजरंदाज करने की बात कही है। प्राथमिक विद्यालय मन्नीपुरवा में सहायक अध्यापक पुष्पेंद्र कुमार सिंह, पूनम यादव, रामविलास वर्मा व राजकुमारी ने भी ऑनलाइन हाजिरी का विरोध करते हुए ऑफलाइन उपस्थिति दर्ज कराई है। इसी तरह शिक्षा क्षेत्र तुलसीपुर के कंपोजिट विद्यालय कनहरा में भी प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला के नेतृत्व में सहायक अध्यापक अमरजीत गुंजन शर्मा ने भी विरोध किया है। इन सभी का आरोप है कि ऑनलाइन हाजिरी के लिए शिक्षक विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन विद्यालयों की भौगोलिक स्थिति एवं संसाधनों की अनुपलब्धता ऑनलाइन हाजिरी के लिए उपयुक्त नहीं है। यह स्कूल तो मात्र बानगी हैं ऐसे ही जिले के प्रत्येक प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी का विरोध करते हुए ऑफलाइन उपस्थिति दर्ज कराई है। शासन के निर्देश पर 8 जुलाई से परिषदीय विद्यालयों में डिजिटाइजेशन के तहत ऑनलाइन उपस्थित दर्ज करने का निर्देश दिया गया था जिसको लेकर परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के साथ–साथ शिक्षक संगठनों ने भी पुरजोर विरोध किया है। उत्तर प्रदेश विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन एवं जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के आह्वान पर जिले के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन हाजिरी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विशिष्ट बीटीसी संघ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिलीप चौहान ने बताया है कि 8 से 14 जुलाई तक प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी का विरोध करते हुए बांह पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करेंगे। 15 जुलाई को जिला मुख्यालय पर दोनों संगठन के पदाधिकारी धरना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि संघ ने मुख्यमंत्री को इस संबंध में अवगत करा रखा है कि शिक्षकों की नियोजित मांगों को प्रथम दृष्टि पर पूरा किया जाए। बेसिक के विद्यालयों की भौतिक स्थिति इस तरह से नहीं है जहां ऑनलाइन रहा जा सके। बहुत से विद्यालय जंगल एवं पहाड़ी इलाकों में स्थित हैं ऐसी जगह जाने के लिए दुर्गम रास्तों का सामना करना पड़ता है। मौजूदा समय में भीषण बारिश का प्रकोप जारी है। तराई क्षेत्र में नदी व नाले उफान पर हैं। रास्ते एवं संपर्क मार्ग पूरी तरह से कट चुके हैं। बिजली व्यवस्था ध्वस्त होने के साथ–साथ नेटवर्क बाधित है। ऐसे में शिक्षकों से ऑनलाइन हाजिरी लेने का फरमान न्यायोचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्कूलों की भौगोलिक स्थिति से अवगत होकर ही ऐसा निर्णय लेना चाहिए। यह निर्णय पूरी तरह से शिक्षकों के विपरीत है। कहा कि ऐसे निर्णय को वापस नहीं लिया गया तो प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर शिक्षक संघ, शिक्षामित्र व अनुदेशक प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। सोमवार को देर शाम जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर शासन के ऑनलाइन हाजिरी के निर्णय के विरोध में कलेक्ट्रेट में बांह पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। साथ ही जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष विकास कांड पांडेय, यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन जिलाध्यक्ष देव कुमार मिश्रा, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष नवीन सिंह, आदर्श शिक्षक शिक्षामित्र संगठन जिलाध्यक्ष राकेश सिंह गुड्डू, आदर्श अनुदेशक संघ जिलाध्यक्ष अमित कश्यप सहित अन्य शैक्षिक संगठनों ने मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा है। ज्ञापन में मुख्य रूप से कहा है कि ऑनलाइन हाजिरी का शिक्षक संघ विरोध नहीं कर रहा है। लेकिन जिले की भौगोलिक स्थिति ऑनलाइन हाजिरी के अनुकूल नहीं है। आधे से अधिक स्कूल पहाड़ी एवं तराई क्षेत्र में संचालित हैं, जहां पर मौजूदा समय में बाढ़ का कहर जारी है। ऑनलाइन हाजिरी के लिए पहले शिक्षकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान किए जाने व संसाधनों को उपलब्ध कराए जाने आदि समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया है।

सिद्धपीठ श्री रसमोद कुंज में सदियों से मंदिर प्रांगण में ही मनाई जाती है रथयात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर स्थित सिद्धपीठ श्रीरसमोद कुंज, गोलाघाट में रथयात्रा महोत्सव भव्यता से मनाया गया। ठाकुर जी का अलौकिक श्रृंगार करके आरती उतारी जाती है और भोग लगा कर के ठाकुर जी को मंदिर परिसर में ही रथ यात्रा कराई जाती है जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्त और संत महंत उपस्थित होकर के इस अनुपम घड़ी का आनंद उठाते हैं। महोत्सव की मनोहारी दृश्य देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। साथ ही साथ रामनगरी के प्रसिद्ध कलाकारों के गायन–वादन से साधु–संत व भक्तगण आनंदित कर देता हैं और उत्सव में महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सायंकाल भगवान को रथ पर विराजमान कराकर उनकी भव्य झांकी सजाई गई। भोग, पूजन–अर्चन के पश्चात भव्य आरती उतारी। उसके बाद भगवान को रथा पर विरा

घायल हिरन को युवकों ने पहुंचाया अस्पताल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र के बेलौहा बाजार स्थित राजकीय आईटीआई स्कूल के सामने एक हिरन कहीं से भटकता हुआ सोमवार को आ गया था और घायल था। पचमोहनी गांव के कुछ युवकों ने उसकी जान बचाई और पशु अस्पताल पहुंचाया।

सोमवार की सुबह नौ बजे बेलौहा स्थित आईटीआई कॉलेज के सामने एक हिरन को कुछ कुत्ते काट रहे थे। उधर से गुजर रहे पचमोहनी गांव के युवक मोहम्मद अम्मार, अरबाज, अल्फाज और नियाज की नजर हिरन पर पड़ी। युवकों ने कुत्तों को खदेड़ कर घायल हिरन की जान बचाई और अपनी बाइक से पशु अस्पताल बेलौहा पहुंचाया। अस्पताल में घायल हिरन का इलाज किया गया उसके बाद वन विभाग को सौंप दिया गया।

रामनगरी अयोध्या में होगी कर्मकांड की पढ़ाई, सत्र 2024–25 से शुरू होगा वैल्यू एडेड कोर्स

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या को कर्मकांड की पढ़ाई के मद्देनजर समृद्ध बनाने की पहल शुरू हो चुकी है। अब कर्मकांड की पढ़ाई के लिए काशी जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि डॉ. रामनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से कर्मकांड की शिक्षा ले सकेंगे। आगामी सत्र 2024–25 से एडेड वैल्यू कोर्स के तहत नए पाठ्यक्रम कर्मकांड में दाखिला शुरू हो जाएगा। विवि के योग विभाग ने नए पाठ्यक्रम के अध्ययन– अध्यापन का प्रारूप तैयार कर लिया है जिसे विवि के कार्य परिषद की मंजूरी मिल चुकी है।

अवध विवि आवासीय परिसर स्थित खेल शारीरिक एवं योगिक विज्ञान संस्थान के योग विभाग में एडेड वैल्यू कोर्स के तहत कर्मकांड पाठ्यक्रम संचालित होगा। पांच जुलाई को विवि कार्य परिषद में बैठक में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल की अध्यक्षता में इस पर अंतिम मुहर लग चुकी है। आगामी सत्र से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसमें 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्रवेश मिल सकेगा। कर्मकांड कोर्स में कुल 30 सीटों पर प्रवेश होगा। कक्षाएं आनलाइन एवं आफलाइन मोड पर चलाई जाएंगी। कोर्स के प्रश्नपत्र हिन्दी एवं संस्कृत दोनों भाषाओं में होंगे। जानकारों की मानें तो विवि से कर्मकांड की पढ़ाई करने पर रोजगार के नए द्वार खुल जाएंगे। देश– विदेशों में भी रोजगार के अवसर रहेंगे। सैन्य विभाग में धर्मगुरु की नियुक्ति होती है। इसके लिए कर्मकांड का डिप्लोमा प्राप्त करने वालों को वरीयता दी जाती है। इसके अलावा मठ– मंदिरों में पुजारी की भी नियुक्ति होती है। हाल ही में रामजन्मभूमि मंदिर में पुजारियों की नियुक्ति हुई है जिसमें कर्मकांड की पढ़ाई अनिवार्य की गई थी। अवध विवि की योग विभाग की शिक्षिका गायत्री वर्मा ने बताया कि कर्मकांड के नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा। इसमें दो सेमेस्टर में कुल 10 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में पांच–पांच प्रश्नपत्र होंगे। इसमें चार प्रश्नपत्र लिखित एवं एक प्रायोगात्मक प्रश्नपत्र होगा। पाठ्यक्रम हिन्दी एवं संस्कृत भाषा में होगा। विवि के शिक्षक से ही अध्यापन कार्य लिया जाएगा। खास विषय पर एक्सपर्ट को आमंत्रित किया जाएगा।

ऑटो सवार महिला के पर्स से जेवर चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स क्षेत्र के सोनबरसा बाजार में चौरीचौरा क्षेत्र के बेलवा बाबू निवासिनी सीमा देवी पत्नी गिरिजेश सिंह का ऑटो में पर्स से जेवर चोरी हो गया।

जानकारी के मुताबिक, महिला कुशीनगर के हाटा से सोमवार की दोपहर मे 12 बजे खुशी ज्वेलर्स के यहां से 20 हजार कीमत की एक जोड़ी सोने की झाली खरीदकर अपने पर्स में रखकर ऑटो मे सवार होकर सोनबरसा बाजार आ रही थी। उसी दौरान महिला के पर्स से किसी अज्ञात चोर ने जेवर उड़ा दिया। सोनबरसा बाजार में ऑटो से उतरकर महिला ने अपने पर्स में देखा तो जेवर पर्स से गायब था। महिला सोनबरसा चौकी की पुलिस को आपबीती बताई। पुलिस जांच कर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पीड़ित पिता की अखिलेश यादव को दो टूक, मेरा दामाद बेरोजगार नही था, एक लाख से अधिक थी तनख्वाह

संवाददाता–गोरखपुर। अखिलेश यादव को गोरखपुर की एक दर्दनाक घटना पर ट्वीट करना भारी पड़ गया है। बता दें की रविवार को शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टर के बेटी और दामाद ने सुसाइड कर लिया। इस घटना के बाद पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ट्वीट कर दिया की डठ। पास युवक बेरोजगारी के कारण सुसाइड किया। इस ट्वीट से आहत पिता ने अखिलेश यादव की निंदा की है।

गोरखपुर की एक दर्दनाक घटना ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया। शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टर के दामाद और बेटी द्वारा एक के बाद एक सुसाइड कर लेने से परिवार में कोहराम मचा है। बता दें की इस घटना के बाद पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ट्वीट किया की मृत युवक बेरोजगारी के कारण आत्महत्या कर लिया यह ठभ्थ्र सरकार की नाकामी है। इसके बाद दामाद और बेटी के इस अघातिक कदम से आहत डॉक्टर राम शरण दास ने अखिलेश यादव को दो टूक कहा कि उनका दामाद बेरोजगार नही था, वह मुंबई में एक लाख से अधिक की तनख्वाह पाता था, डॉक्टर ने बुजुर्ग होने के नाते अपने देखरेख के लिए दामाद को खुद गोरखपुर बुला लिए थे। बता दें की पटना के हरीश बागेश और गोरखपुर की संचिता श्रीवास्तव स्कूल के दिनों से ही एक–दूसरे को पसंद करते थे तथा आखिरकार उन्होंने शादी कर ली।हालांकि, एमबीए करने के बाद मुंबई में एक निजी बैंक में

काम कर रहे हरीश ने वाराणसी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति की मौत से आहत संचिता ने भी गोरखपुर में अपने पिता के घर की छत से कूदकर अपनी जान दे दी।

इस दंपत्ति की आत्महत्या से दोनों परिवारों में मातम छा गया है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, हरीश और संचिता वाराणसी के एक स्कूल में साथ–साथ पढ़ते थे, जहां 11वीं कक्षा के चलते दोनों में प्यार हो गया और बाद में दोनों ने शादी कर ली। संचिता की बिगड़ती सेहत के बाद, उसके पिता और गोरखपुर के प्रसिद्ध डॉक्टर रामचरण दास उसे उपचार के लिए अपने गृहनगर वापस ले आए, जबकि हरीश ने कई महीनों तक गोरखपुर में अपनी पत्नी की देखभाल के लिए बैंकिंग की नौकरी छोड़ दी। कतिपय अज्ञात कारणों से वह कथित तौर पर वह गहरे अवसाद से ग्रस्त हो गया तथा नशे का आदी भी हो गया था। हाल ही में, वह गोरखपुर में अपने ससुराल से पटना में अपने माता–पिता के पास लौटने का दावा करते हुए निकला, लेकिन इसके बजाय वह वाराणसी चला गया।

चिंतित रिश्तेदारों ने आखिरकार उसे वाराणसी के पास सारनाथ में एक कमरे में लटका हुआ पाया। हरीश की मौत की खबर मिलते ही, संचिता के पिता और डॉ. रामचरण दास वाराणसी पहुंचे। हालांकि, अपने पति की मौत की खबर सुनकर, संचिता दुख बर्दाश्त नहीं कर सकी और दुखद रूप से उसने आत्महत्या कर ली। कुछ ही देर बाद उसका शव घटनास्थल पर मिला।

सारनाथ में हरीश के शव की पहचान पुलिस ने उसके आधार कार्ड से की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि हरीश अवसाद से जूझ रहा था और उसे नशीले पदार्थों की लत लग गई थी। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की आगे की तहकीकात की जा रही है।

चेतावनी बिंदु पार कर खतरे के निशान की ओर बढ़ रही सरयू, मंडराने लगा बाढ़ का खतरा

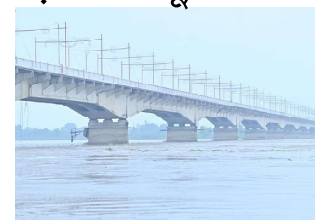

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है। ऐसे में आसपास के जिलों में बाढ़ की आशंका बढ़ती जा रही है। प्रशासन की तरफ से टीम की तैनाती कर दी गई है। लगातार हो रही बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी की वजह से सरयू नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सरयू अब चेतावनी बिंदु पारकर खतरे के निशान की ओर बढ़ रही ही। सोमवार की सुबह नौ बजे सरयू का जलस्तर 91.95 मीटर रिकॉर्ड किया गया। जो चेतावनी निशान से 22 सेंटीमीटर ऊपर और खतरे के निशान से 78 सेंटीमीटर पीछे है।

सरयू नदी में आए उफान के चलते रुदौली, सोहावल और सदर तहसील इलाके के करीब दो दर्जन गांवों की सैकड़ों एकड़ जमीन और आबादी पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। सरयू नदी के तटीय इलाकों के गांव में हर साल बाढ़ आती है। बाढ़ से बचने के स्थायी उपाय नहीं किए गए हैं। सोहावल में सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुये तहसील प्रशासन ने निचले क्षेत्र में बसे ग्रामीणों को अलर्ट कर दिया है। बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए नाव का प्रबंध कर दिया गया है। सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले मांझाकला गांव के लिए तहसील प्रशासन की तरफ से लेखपाल सहित टीम लगा दी गयी है। जलस्तर बढ़ रहा है, लेकिन अभी बाढ़ का खतरा नहीं है।

पिता ने मासूम बेटी के साथ की अश्लील हरकत

संवाददाता–अयोध्या। पिता ने मासूम बेटी के साथ अश्लील हरकत कीरूअयोध्या में पीड़िता की मां बोली– विरोध किया तो पीटने लगाय पुलिस ने गिरफ्तार किया। अयोध्या के थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र स्थित एक गांव में एक बाप ने 10 साल की बेटी का मोलेस्टेशन किया। पीड़िता की मां थाने पहुंची। उसने तहरीर देते हुए पति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

लोक अदालत के लिए 15 पत्रावलियां चिह्नित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय लोक अदालत 13 जुलाई को है। पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण अरविन्द राय की अध्यक्षता में मोटर दुर्घटना से संबंधित क्लेम पेटिशन मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित करने के लिए सोमवार को प्री–ट्रायल बैठक हुई। इसमें प्री–ट्रायल के लिए 32 पत्रावलियां नियत की गई थीं, जिसमें पक्षकार व अधिवक्ता के साथ–साथ बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता उपस्थित हुए। इसमें 15 पत्रावलियां लोक अदालत में निस्तारित के लिए चिन्हित की गईं। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी, सम्पूर्णानन्द बक्सी, इम्तियाज अली, शिव कुमार पांडेय, प्रमोद द्विवेदी, सरफराज मलिक, इजहार अहमद खान, गिरजेश बहादुर सिंह, मिथलेश कुमार मिश्र, विनय चन्द्र मिश्र, संकटा पांडेय आदि मौजूद रहे।

करंट से पुजारी की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। इलाके के जंगल चंवरी के अयोध्या टोला में मंदिर की सफाई करते समय करंट की चपेट में आने से पुजारी की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, गांव में रामस्नेही दास कुटिया के नाम से मंदिर बना है।

गांव के ही 58 वर्षीय साधू फेकन उर्फ हनुमान दास पुजारी थे। सोमवार की सुबह करीब 6.30 बजे ट्यूल्यू पंप से मंदिर के फर्श की धुलाई कर रहे थे कि वह हैंडपंप में लगे टुल्यूपंप की तार के चपेट में आ गए। इससे उनकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संविदा लाइनमैन की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–गोरखपुर।। शाहपुर क्षेत्र के पादरी बाजार निवासी विनोद कुमार (38) नगर निगम में संविदा के तौर पर लाइनमैन का काम करता था। पिछले माह शाहपुर क्षेत्र के असुरन चौराहे पर डिवाइडर पर लगी स्ट्रीट लाइट को निगम के ऑटोमेटिक क्रेन की सीढ़ी पर चढ़कर बना रहा था। इस दौरान करंट लगने से वह ऊपर से सड़क पर गिर गया था।

हाईवे की पटरियों पर खड़ी होती हैं ट्रकें, दुर्घटना की आशंका

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले के पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी शासन के आदेश का अनुपालन नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव गृह का आदेश है कि हाईवे पर सड़क की पटरियों पर ट्रक नहीं खड़ी होगी इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके बाद भी नगर में ही हाईवे पर दर्जनों ट्रक सड़क के किनारे पूरे दिन और रात में खड़े रहते हैं। इससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। नगर के दोस्तपुर रोड पर गौहन्ना चौराहे पर स्टैंड न होने के बाद भी यहां पर हर समय बड़ी संख्या में ट्रक खड़ी होती हैं। सरकारी और निजी बसें भी यहां पर खड़ी होती हैं जबकि नगर पालिका की तरफ से यहां कोई अधिकृत टैक्सी स्टैंड नहीं है। सरकार का आदेश है कि हाईवे के किनारे पटरियों पर ट्रक के न खड़ी हों उनके लिए जो स्थान निर्धारित किया गया है ट्रक लेन वहीं पर ट्रकों को खड़ा किया जाए, लेकिन जिला मुख्यालय पर ऐसा नहीं हो पा रहा है। पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं। इस संबंध में कई बार खबरों का प्रकाशन कर प्रशासन को बताने की कोशिश की कि किस से तरह खतरनाक तरीके से पटरियों पर ही खड़ी रहती हैं। इसे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। खास बात है कि गौहना चौराहे पर है ही एक पेट्रोल पंप है उसके सामने भी बड़ी संख्या में ट्रकें खड़ी रहती हैं उससे भी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय टहलने के दौरान भी काफी परेशानी हो रही है। क्योंकि पटरियों पर ट्रक खड़ी रहती हैं। सड़क के बीच से होकर पैदल चलना पड़ता है जिससे आगे पीछे से बड़ी ट्रकें और बसें के आने से हमेशा दुर्घटना का भय बना रहता है। कृष्णा नगर कॉलोनी के निवासी विपिन सिंह ने कहा है कि प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए। ट्रकों के खड़े होने की व्यवस्था अलग से की जानी चाहिए जिससे आवागमन किसी तरीके से प्रभावित न हो।

सुबह के समय ट्रकों की संख्या हाईवे के किनारे ज्यादा रहती है। जबकि सुबह समय लोग टहलने के लिए भी निकालते हैं। इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। सुरेश कुमार मिश्र, सीओ सिटी ने कहा कि इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को निर्देशित करेंगे कि हाईवे के किनारे पटरियों पर ट्रकें न खड़ी होने पाएं।

पैसे लेकर विदेश भेजने के नाम पर ठगी का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ढेवरुआ थाना क्षेत्र के बढ़नी कस्बा निवासी एक व्यक्ति ने कस्बे के ही एक व्यक्ति पर विदेश भेजने के नाम पर ठगी का अरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दिए शिकायती पत्र में कस्बा के पश्चिम मंदिर वार्ड निवासी दीपक कुमार पुत्र प्रेम कुमार ने कस्बे के ही लोहिया नगर वार्ड के रहने वाले एक व्यक्ति पर दुबई में नौकरी के नाम पर पैसा लेकर भेजने का आरोप लगाया है। आरोप है कि जिस काम के लिए उसे भेजा गया था वह उसे मिला नहीं। उससे वहां मजदूरी का काम कराया जाने लगा। खाने–पीने का भी इंतजाम नहीं था। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने उससे दुबई भेजने के नाम पर 75 हजार लिया था। 54 हजार खाता मेंऔर 21 हजार नगद लिया था। पीड़ित का कहना है कि 16 दिनों तक वह बिस्कुट खाकर दुबई में रहा। उसने घरों वालों को सारी दास्तान बताई तो उन लोगों ने इधर–उधर से पैसा लेकर उसे भेजा तब वह घर वापस आ सका। उसने पुलिस से धन वापस कराने व फ्राड करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बढ़नी चौकी प्रभारी समाशंकर यादव का कहना है कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

फेंके गए नवजात के शव को नोंच रहे थे कुत्ते

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के रायगंज बाजार में सोमवार को एक अज्ञात नवजात शिशु का शव पुलिस ने बरामद किया है। गांव के अभिषेक दुबे सुबह नौ बजे खेत देखने के लिए गांव से बाहर गए थे। एक पॉलीथिन में नवजात शिशु का शव पड़ा हुआ था। उसे कुत्ते नोच रहे थे। उनकी नजर पॉलीथिन पर पड़ी तो देखा कि नवजात शिशु का शव था। उन्होंने मौके से कुत्ते को भगाया और पीआरवी पुलिस को सूचना दिया। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हवा में उड़कर रामनगरी देखने के लिए शुरू हुई पैराग्लाइडिंग सेवा बंद, जटायु क्रूज भी हो गया लापता

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में पर्यटकों को रिझाने के लिए शुरू की गई पैराग्लाइडिंग सेवा लागत न निकलने के कारण बंद हो गई। वहीं क्रूज भी अब तक रफ्तार नहीं भर सका है। भक्तों को क्रूज का सफर करने के लिए आए जटायु क्रूज का भी कुछ पता नहीं। बताया जा रहा है कि लंबे समय से खराब पड़ा क्रूज वापस हो गया है।

क्रूज का उद्घाटन पर्यटन मंत्री ने किया था। उनका कहना था कि इसके संचालन से सड़कों पर लोड कम हो जाएगा, लेकिन शुरुआती दिनों में ही क्रूज खराब हो गया। यह भी बताया गया था कि सरयू का जलस्तर घटने के कारण क्रूज का संचालन शुरू नहीं हो पा रहा है। इन दिनों सरयू का जलस्तर ठीक है। बावजूद इसके क्रूज का अता–पता नहीं। सरयू तट निवासी करतलिया आश्रम के महंत बालयोगी रामदास का कहना है कि पहले अयोध्या का भौगोलिक अध्ययन करना होगा फिर क्रूज जैसी सेवाओं का शुभारंभ किया जाना चाहिए। वहीं अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद यहां आने

वाले पर्यटकों का ज्यादा से ज्यादा ध्यान आकर्षित करने के लिए एडवेंचर स्पोर्ट्स क्लब का गठन किया गया था। इसी के तहत सरयू के बालू घाट पर एक साल पहले पॉवर पैराग्लाइडिंग का शुभारंभ हुआ था। मंडलायुक्त गौरव दयाल और विकास प्राधिकरण के तत्कालीन उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने सेवा का उद्घाटन किया था। पर्यटन अधिकारी आरपी यादव को फोन करने पर उन्होंने बताया कि इसकी जिम्मेदारी पर्यटन निगम की है, मैं अभी मीटिंग में हूं, बाद में बात करूंगा। दावा किया गया था कि अयोध्या आने वाले पर्यटक अब आसमान से रामनगरी का दीदार कर सकेंगे। इसके साथ ही युवाओं को भी बड़ा एडवेंचर मिलेगा। रोजाना सुबह छह से 10 तक और शाम चार से छह बजे तक इसकी सेवा शुरू की गई थी। किराया 1300 से 1500 तक था। चार किलोमीटर के दायरे में लगभग 15 मिनट तक पैराग्लाइडिंग कराई जाती थी। अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा पवनसुत एजेंसी के साथ इस योजना की शुरुआत की गई है, लेकिन यह योजना अब दिखाई नहीं पड़ रही है। बताया गया कि लागत न निकल पाने के कारण यह सेवा बंद की गई।

बीआरडी मेडिकल कालेज में शिक्षकों की आंखें बताएगी उनकी मौजूदगी, जल्द लगेगी यह मशीन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पढ़ाने वाले चिकित्सा शिक्षकों की अटेंडेंस फिंगरप्रिंट और फेस रिकॉग्निशन (चेहरा पहचानने) वाली मशीन की जगह 'आयरिस स्कैनिंग मशीन' से होगी।इस मशीन से आंखों की पुतली से अटेंडेंस लगेगी। इसी माह के अंत तक इस व्यवस्था को शुरू करने के लिए बीआरडी मेडिकल प्रशासन तैयारी में जुटा है। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रामकुमार जायसवाल ने बताया कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की ओर से चिकित्सा शिक्षकों की हाजिरी लगाने के लिए बीआरडी मेडिकल कालेज में नई व्यवस्था लागू होने वाली है। देश के सभी मेडिकल यूनिवर्सिटीज और मेडिकल कॉलेज में यह व्यवस्था लागू होगी।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में वर्तमान में चार अटेंडेंस फिंगरप्रिंट और फेस रिकॉग्निशन (चेहरा पहचानने) वाली मशीन है। रामकुमार जायसवाल बताया कि चिकित्सकों–शिक्षकों की हाजिरी के लिए 'आयरिश स्कैनिंग मशीन' इसी माह के अंत तक लग जाएगी।ये मशीन आंखों की रेटिना को स्कैन करके हाजिरी लगाएगी।

इसको लेकर एनएमसी ने एक एडवाइजरी पत्र देशभर की मेडिकल यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेजों को लिखा है। वर्तमान में ज्यादातर कॉलेजों में फिंगरप्रिंट की मदद से हाजिरी लगाई जाती है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भी फिंगरप्रिंट और फेस रिकॉग्निशन (चेहरा पहचानने) मशीन लगी है। मेडिकल कॉलेज में लगी बायोमेट्रिक अटेंडेंस की मशीन एनएमसी के वेबसाइट से जुड़ी है। चिकित्सा शिक्षकों को अवकाश भी अब ऑनलाइन स्वीकृत कराना होगा।इमरजेंसी और फिजिकल अवकाश छोड़कर ऑनलाइन आवेदन की मंजूरी जरूरी है। बीआरडी मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने बताया है कि इसी माह के अंत तक आंखों की पुतलियों की स्कैनिंग से लगने वाली अटेंडेंस के लिए मशीन लग जाएगी।एनएमसी (नेशनल मेडिकल कमीशन) की ओर से आयरिश स्कैनर से हाजिरी को लेकर दिशा–निर्देश प्राप्त हो गए हैं। एनएमसी के निर्देशों का पूरी तरह पालन होगा। चिकित्सा शिक्षा में सुधार के लिए ये व्यवस्था लागू की जा रही है।

प्रदेश के दूसरे ज्ञान विज्ञान पार्क का निर्माण करेगी जयपुर की फर्म, जारी हुआ वर्क आर्डर

संवाददाता–गोरखपुर। प्रदेश के दूसरे ज्ञान विज्ञान पार्क का निर्माण गोरखपुर में होना है। 15.62 करोड़ की लागत से बनने वाले विज्ञान पार्क के लिए जीडीए ने इसका वर्क आर्डर जारी कर दिया है। वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला परिसर में महंत अवेद्यनाथ ज्ञान विज्ञान पार्क का निर्माण होना है। मार्च 2024 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिलान्यास कर चुके हैं। वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला परिसर में ज्ञान विज्ञान पार्क के निर्माण के लिए शासन से फरवरी में ही पहली किस्त करीब चार करोड़ रुपये जारी हो चुका है। जीडीए ने टेंडर प्रक्रिया पूरा कर लिया है। जयपुर की फर्म मेसर्स चंद्रा इवेंट्स एंड प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड को काम कराने का टेंडर मिला है। इस फर्म को 5 जुलाई 2024 से कार्य प्रारंभ कर 4 मार्च 2026 तक कार्य पूर्ण कर लेना होगा। पहले चरण में सिविल वर्क का काम पूरा कराया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में साइंस मॉडल का काम पूरा कराने की योजना है। दोनों काम जयपुर की फर्म को ही कराना होगा। महंत अवेद्यनाथ साइंस पार्क में देश के कई वैज्ञानिकों के स्टैच्यू भी लगेंगे। जीडीए के अधिशासी अभियंता नरेंद्र कुमार ने बताया कि नक्षत्रशाला में बनने वाले महंत अवेद्यनाथ ज्ञान विज्ञान पार्क के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरा कर लिया गया है। जयपुर की फर्म को निर्माण कार्य कराने का टेंडर मिला है।

बीफार्मा और डीफार्मा के छात्रों को समारोहपूर्वक दी गई विदाई

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। विदुषी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट गौरा बसंतपुर कटेहरी में बीफार्मा और डीफार्मा फाइनल ईयर के छात्र–छात्राओं को समारोह पूर्वक विदाई दी गई। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बाद में छात्र–छात्राओं को उपहार देकर विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज के चेयरमैन डॉ विजयकांत दूबे एवं उपचेयरमैन अनुपम दूबे ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर किया। गायक धीरज उपाध्याय एवं आरती मौर्या के ग्रुप ने सरस्वती वंदना व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0 C 2013170000380

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

अब्दुल हन्नान (मृतक)

बनाम

साफिर (मृतक) आदि

1/1 मुबारक 1/2 रफीक 1/3 सद्दाम 1/4 साकिर पुत्रगण साफिर 1/5 साफिया पत्नी साफिर 2/1 इस्माइल 2/2 इब्राहीम 2/3 वसीम पुगत्रण जवाहिर साकिनान मौजा चम्पतराय तप्पा कोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 16–07–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 1001/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती

राजेश गिरि

बनाम

जीत बहादुर

जीत बहादुर पुत्र राम बुझारत साकिन आल्हेकुइयाँ तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com